तापमान

अधिकतम 32.8 डिग्री

न्यूनतम 23.6 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, शनिवार 13 सितंबर 2025

एसी, टीवी, फ्रीज पर भी बड़ी बचत

मध्य वर्ग के काम आने वाले सामान में टीवी, फ्रीज और वाशिंग मशीन रहते हैं। इस पर बड़ी बचत होगी। 20 हजार के फ्रीज पर दो हजार कम लगेंगे। इसी तरह से टीवी की बात करें, तो बड़ी साइज की 40 हजार की टीवी पर चार हजार रुपए कम लगेंगे। दस हजार की वॉशिंग मशीन पर एक हजार और 20 हजार की वाशिंग मशीन पर दो हजार कम लगेंगे। एसी पर भी दस फीसदी की बचत होगी। 40 हजार का एसी अब चार हजार और 60 हजार का एसी अब छह हजार सस्ता मिलेगा। लक्ष्मी इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक राजेश वासवानी के मुताबिक जीएसटी कम होने से इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में त्योहारी सीजन में 20 फीसदी ज्यादा खरीदारी होगी।

रियल एस्टेट में भी आएगा बूम

रियल एस्टेट में भी बूम आने की संभावना है। राजधानी के बिल्डर विजय नत्थानी के मुताबिक बिल्डिंग मटेरियल में जीएसटी कम होने के कारण नई योजनाओं के जो घर बनेंगे, उसकी लागत कम होने से उसके लिए त्योहारी सीजन में बुकिंग होगी। नई योजनाओं में लोगों की रुचि होने से जरूर इस बार कारोबार ज्यादा होगा। 20 लाख के घर पर 80 हजार तक की बचत होने की संभावना है।

ऑटोमोबाइल इलेक्ट्रॉनिक्स आइटमों की ज्यादा होगी खरीदी घर भी बिकेंगे ज्यादा

टैक्स कम, खुशियां ज्यादा...इस त्योहारी सीजन मार्केट पर 20 से 25 फीसदी ज्यादा बरसेगा धन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवरात्रि से त्योहारी सीजन का आगाज होगा। इसके बाद दीपावली तक बाजार गुलजार रहेंगे। नवरात्रि से ही जीएसटी में भी बदलाव हो रहा है। वाहनों के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स आइटमों पर दस फीसदी जीएसटी कम हो रहा है। ऐसे में इस बार त्योहारी सीजन में ज्यादा खरीदारी होगी। इसी के साथ रियल एस्टेट में भी बूम आएगा, क्योंकि घर बनाने के मटेरियल में भी जीएसटी कम हो रहा है। कुल मिलाकर इस बार बाजार में बीते साल से 20 से 25 फीसदी ज्यादा धन बरसेगा।

खास खबर

त्योहारी सीजन का आगाज वैसे तो गणेशोत्सव के साथ हो जाता है। 11 दिनों तक लोग वाहनों की खरीदारी से साथ अन्य आइटम भी लेते हैं, लेकिन इसके बाद पितृ पक्ष होने के कारण खरीदारी पर ब्रेक लग जाता है। नवरात्रि से ही असली त्योहारी सीजन होता है। इसके बाद पुष्य नक्षत्र, धनतेरस और फिर दीपावली तक जमकर खरीदारी होती है।

वाहनों की होगी ज्यादा बिक्री

ऑटोमोबाइल सेक्टर में वैसे भी त्योहारी सीजन मे सबसे ज्यादा कारोबार होता है। इस बार तो जीएसटी के दस फीसदी कम होने के कारण वाहन भी ज्यादा बिकेंगे। दस फीसदी जीएसटी कम होने के कारण जहां एक लाख तक के दोपहिया वाहन पर 10 हजार की बचत होगी, वहीं दो लाख से ज्यादा के दोपहिया पर 20 हजार बचेंगे। सबसे ज्यादा बचत कारों पर होगी। छोटी पांच लाख की कार पर 50 हजार बच जाएंगे। कारों पर तो दो से तीन लाख तक की बचत होगी। 20 लाख की कार पर जहां दो लाख की बचत होगी, वहीं तीस लाख की कार पर तीन लाख बचेंगे। राडा के छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष विवेक गर्ग के मुताबिक जीएसटी के कम होने का बड़ा फायदा कारोबार को मिलेगा और ज्यादा कारोबार होगा।

एआई तस्वीरों पर आधारित गणेश प्रतिमाओं पर हो चुका है विवाद

पहली बार नेत्र निर्माण के ठीक पहले बदला गया देवी प्रतिमाओं का स्वरूप, एआई इमेज से प्रेरित थीं मूर्तियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

माना, टेंभरी, महादेवघाट, कालीबाड़ी सहित जिले के कई हिस्सों में देवी प्रतिमाओं का निर्माण अंतिम चरण में है। इस बार प्रतिमा निर्माण से ठीक पहले मूर्तिकार देवी प्रतिमाओं का स्वरूप बदलने में लगे हैं। ऐसा देवी प्रतिमाओं के स्वरूप को लेकर हुए विरोध के बाद किया जा रहा है। दरअसल, शहर के कई हिस्सों में मां दुर्गा की एआई जनरेट इमेज आधारित मूर्तियां तैयार की जा रही थी। इसकी जानकारी मिलने के बाद कई संगठनों ने वहां पहुंचकर अपना विरोध जताया था। देवी प्रतिमाओं के निर्माण के अंतिम चरण में मां दुर्गा के नेत्र बनाए जाते हैं। इस बार ठीक इसके पहले प्रतिमाओं का पूर्ण स्वरूप ही बदल दिया गया। प्रदेश के दुर्गा स्थापना के इतिहास में पहली बार इस तरह की स्थिति निर्मित हुई है, जब मूर्तिकारों को प्रतिमाओं का स्वरूप बदलना पड़ रहा है। गौरतलब है कि इस वर्ष गणेश प्रतिमाओं के एआई स्वरूप को लेकर विवाद हुआ था। विरोध के बाद ⏭शेष पेज 4 पर

हरिभूमि लाइव

स्थापना के पूर्व ही संगठनों ने जताया विरोध, मूर्तिकारों ने अब दिया पारंपरिक स्वरूप

शहर की 7 समितियों ने दी थी एआई जनरेट इमेज, इसके आधार पर बनाई जा रही थी दुर्गा प्रतिमाएं

कई जगहों पर विरोध

माना के मूर्तिकार देवार्चंद पटेल बताते हैं, कुछ दिन पहले मूर्तियों के स्वरूप को लेकर कई विवाद हुआ था। हालांकि उनके यहां ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि उन्होंने पूरी प्रतिमाएं पारंपरिक स्वरूप में ही बनाई है। माना के ही एक अन्य मूर्तिकार ने विवाद को देखते हुए नाम ना छापने की शर्त पर बताया, कुछ दिन पूर्व संगठन के लोग आए थे। जहां-जहां माता की प्रतिमाएं बाल स्वरूप में थी, उसे बदलने कहा गया। इसके बाद मूर्तिकारों ने प्रतिमाएं अंदर रख दी। इन मूर्तियों के स्वरूप को अब बदला जा रहा है। चूंकि नवरात्रि में थोड़ा समय ही रह गया है, इसलिए युद्धस्तर पर रातभर जागकर निर्माण कार्य पूर्ण कर रहे हैं।

इधर... अश्लील गानों पर रोक की मांग

दूसरी ओर सर्व हिन्दू समाज की ओर से कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा गया है। उन्होंने नवरात्रि पर्व में देवी प्रतिमा मूल स्वरूप में बनाने एवं स्थापित करने की मांग की है। उनके द्वारा सौंपे गए ज्ञापन के जरिए मांग की गई है कि एआई आधारित क्यूट मूर्ति की स्थापना पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाए। छोटे कपड़े या किसी भी अन्य स्वरूप में माता की स्थापना नहीं न हो। किसी भी पंडाल में अश्लील गाने-नृत्य नहीं होने चाहिए। यदि ऐसा होता है तो तत्काल समिति के ऊपर कार्यवाही हो। ज्वारा व मूर्ति विसर्जन में कोई भी शराब पीकर नहीं आएगा। पाया गया तो तत्काल कार्यवाही हो। माता के पंडाल में किसी भी प्रकार के अश्लील गाने, फिल्मी गाने, बजाते पकड़े गए तो तत्काल कार्यवाही हो।

महानगरों से आया ट्रेंड : माना में प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे मूर्तिकार रवि सरकार कहते हैं कि फोटो लेकर आने वाला ट्रेंड महानगरों से आया है। मैं 20 सालों से प्रतिमा निर्माण कर रहा हूं। पिताजी भी मूर्ति निर्माण करते रहे हैं। पहले हम मूर्ति निर्माण करते थे और समिति वाले उन्हें पसंद करके ले जाते थे।

प्रति मूर्ति 50 हजार का नुकसान : जिन प्रतिमाओं को लेकर संगठनों द्वारा विरोध किया गया, अब उन प्रतिमाओं को समिति वाले नहीं ले जा रहे हैं। जब समितियां निर्माण के लिए ऑर्डर देती हैं, उस वक्त उनके द्वारा 2-3 हजार रुपए ही एडवांस के रूप में दिए जाते हैं। शेष राशि प्रतिमा ले जाने के दौरान दी जाती है।

खुद को ही दे दी वेतन सहित 7 माह की छुट्टी संयुक्त संचालक निलंबित

- शिक्षा संभाग दुर्ग के ज्वॉइंट डायरेक्ट हेमंत उपाध्याय पर कार्रवाई
- 4 शिक्षकों को नियमविरूद्ध प्रतिनियुक्ति प्रदान करने का भी है आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा दुर्ग शिक्षा संभाग के संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय को निलंबित कर दिया गया है। उन पर वित्तीय अनियमितता, नौकरी के दौरान स्वेच्छाचारिता तथा अनुशासनहीनता के आरोप लगे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश में उन आरोपों का जिक्र नहीं किया गया है, जिसकी जांच में दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ यह कार्रवाई हुई।

जानकारी के अनुसार, सरगुजा में ज्वॉइंट डायरेक्टर के पद पर रहने के दौरान वे 2024 में मार्च से सितंबर माह तक 7 महीने अवकाश पर रहे। अपने अवकाश का अनुमोदन किसी सक्षम अधिकारी से करवाने के स्थान पर स्वतः ही इसकी स्वीकृति दे दी और वेतन का आहरण भी कर दिया। इसके अलावा 4 शिक्षकों को अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर प्रतियुक्ति प्रदान करने का आरोप भी उन पर लगा था। इसकी जांच के बाद यह कार्रवाई हुई। उन्हें लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर में अटैच किया गया है।

नए जेडी ने तत्काल दी ज्वॉइनिंग

यह पहली बार नहीं है जब पूर्व ज्वॉइंट डायरेक्टर हेमंत उपाध्याय को निलंबित किया गया हो। सहायक शिक्षक से शिक्षक पद पर पदोन्नति के दौरान नियमविरूद्ध थोक में किए गए ट्रांसफर के कारण हेमंत सहित चार संयुक्त संचालक निलंबित किए गए थे। हेमंत उपाध्याय के स्थान पर आरएल ठाकुर को दुर्ग शिक्षा संभाग का नया ज्वॉइंट डायरेक्टर बनाया गया है। आदेश जारी होने के कुछ देर बाद ही उन्होंने शुक्रवार दोपहर कार्यालय पहुंचकर ज्वॉइनिंग भी दे दी है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की यह पहली बड़ी कार्रवाई है। अपने गृह जिले में ही बड़ी कार्रवाई किए जाने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग में चर्चाओं का दौर शुरु हो गया है। अंदरुनी सूत्रों के अनुसार, जिन अधिकारियों पर गंभीर मामलों को लेकर जांच चल रही है, उन पर भी जल्द कार्रवाई हो सकती है।

खबर संक्षेप

थाने से चंद कदम दूर महिला से लूटा पर्स

रायपुर। गुढ़ियारी थाने से चंद कदम की दूरी पर स्कूटर सवार दो बदमाशों द्वारा महिला का पर्स लूटकर फरार होने की घटना सामने आई है। घटना का सीसीसीटीवी फूटेज सामने आया है। पुलिस ने अब तक लूट की रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। बताया जा रहा है, एक अधेड़ उम्र की महिला बुधवार शाम पौने सात बजे पैदल जा रही थी। इस दौरान स्कूटर सवार दो बदमाश पीछे से आए और महिला को धक्का देकर उसके हाथ से पर्स लूटकर मौके से फरार हो गए। धक्का देने से महिला जमीन में गिरकर घायल हो गई। घटनास्थल से थाने की दूरी ढाई सौ मीटर होना बताया जा रहा है। पर्स लूटने वाले बदमाशों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है।

दोपहिया चोरी के आरोप में शातिर गिरफ्तार

रायपुर। पंडरी पुलिस ने एक्टिवा चोरी करने के आरोप में एक शातिर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से वाहन जब्त किया है। भीखम की शिकायत पर पुलिस ने आकाश चंद्राकर उर्फ बिल्लू को एक्टिवा चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। भीखम ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 1 सितंबर को वह किसी काम से साइंस सेंटर गया था। उसने अपनी एक्टिवा साइंस सेंटर के पास लॉक कर पार्क की थी। आकाश, भीखम की एक्टिवा का लॉक तोड़ चोरी कर ले गया था। पुलिस ने आकाश को सीसीटीवी फूटेज के आधार पर गिरफ्तार किया है।

ट्रिपल आईटी के कैंटीन में गुणवत्ताहीन भोजन, संचालक पर 20 हजार का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- कैंटीन में मिले नायलान सेव की पैकिंग अमानक, बगैर फूड लाइसेंस के कैंटीन का संचालन

राष्ट्रीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नवा रायपुर के मेस में गुणवत्ताहीन भोजन परोसने के मामले में कैंटीन संचालक पर 20 हजार का जुर्माना लगाया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने पिछले साल फरवरी में वहां दबिश देकर जांच की थी और कैंटीन नायलान सेव के नमूने उठाए थे। वे खाद्य सुरक्षा नियम के अनुरूप नहीं था।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सर्वेश यादव और उनकी टीम ने एफएसएएआई के निर्देशों का पालन करते हुए पिछले साल फरवरी में आईआईटी संस्थान नवा रायपुर में संचालित होने वाले मेस की कैंटीन में जाकर जांच की थी। मेस का संचालन तंदूरी क्लब कैंटीन के नाम से किया जाता था। जांच के दौरान वहां भोजन निर्माण के लिए उपयोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की जांच की गई थी। इस दौरान वहां नायलान सेव के पैकेट मिले थे, जिसकी जांच में खाद्य सुरक्षा नियम का पालन नहीं पाया गया था। सैंपल को जांच के लिए लैब भेजा गया था, उसे अमानक पाया गया था।

बिना लेबल पैकिंग पर भी फाइन

इसी तरह नमकीन की बिना लेबल पैकिंग करने के मामले में लघु उद्योग के संचालक पर भी 20 हजार रुपये का फाइन किया गया है। जांच टीम ने अभनपुर के ग्राम पोंड के नारायण लघु उद्योग से नमकीन का सैंपल उठाया था। इस संस्थान का संचालन राजेश जुमनानी और उसका बेटा नारायण जुमनानी द्वारा किया जाता है। उनके द्वारा विभिन्न नामों से नमकीन का निर्माण किया जाता है। जांच में श्री गंगे गोल्ड नमकीन की पैकेजिंग में गड़बड़ी मिली थी। इस आधार पर उन पर भी फाइन लगाया गया है।

अन्य मामलों में भी शीघ्र कार्रवाई

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा दोनों प्रकरणों के अलावा कुछ अन्य तरह के बड़े मामलों में भी विभिन्न संस्थानों में दबिश देकर सैंपल उठाए गए थे। इन सैंपलों की जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रकरण तैयार कर उसे सक्षम न्यायालय में पेश किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। इनमें एनॉलाग पनीर जैसे बड़े प्रकरण भी शामिल हैं।

रैली-जुलूस, पंडाल की अनुमति अब निगम देगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर नगर निगम क्षेत्र में अब रैली और जुलूस निकालने के लिए अनुमति जिला प्रशासन से नहीं मिलेगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इसके लिए अब नगर निगम मुख्यालय को अधिकृत किया है। इसी के साथ सार्वजनिक खेल मैदान, आयोजन एवं पंडाल लगाने आदि की अनुमति के लिए जोन कार्यालय को अधिकृत किया है। इस नई व्यवस्था के तहत किसी के लिए भी अनुमति लेने के लिए सात दिन पहले आवेदन करना होगा। साथ ही इस आवेदन के साथ आवेदक को अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व विभाग, थाना प्रभारी, जिला सेनानी होमगार्ड अग्निशमन तथा विद्युत विभाग सेअनापत्ति प्रमाणपत्र भी लेना होगा।

- निगम से अनुमति से पहले एसडीएम, थाना प्रभारी, विद्युत एवं अग्निशमन विभाग से लेना होगा अनापत्ति प्रमाणपत्र

रैली-जुलूस की अनुमति के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने निगम क्षेत्र में रैली जुलूस की अनुमति के लिए नगर निगम उपायुक्त मोनेश्वर शर्मा को नोडल अधिकारी तथा उपअभियंता प्रेरणा अग्रवाल को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। आवेदक कार्यालय समय में कक्ष 306, 311 में जाकर रैली एवं जुलूस से संबंधित आवेदन देकर अनुमति ले सकता है।

बीच सड़क पर खूनी संघर्ष, दो पक्षों के आठ लोगों पर हत्या की कोशिश का अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दो दिन पूर्व डीडीनगर थाना क्षेत्र की घटना

डीडीनगर थाना क्षेत्र के रोहणीपुरम, वासुदेव अस्पताल के पास गुरुवार को दो पक्षों में हुए खूनी संघर्ष में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर आठ लोगों के खिलाफ हत्या की कोशिश, गाली-गलौज करने का अपराध दर्ज किया है। खूनी संघर्ष में दोनों पक्ष के लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें से कुछ का अस्पताल में उपचार चल रहा है। वैभव सिंह रंगी उर्फ हैप्पी की शिकायत पर पुलिस ने शाहरुख भण्डारा, राजिक नाना, गौरव हेपट, शुभम मिश्रा तथा अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। दूसरे पक्ष की ओर से पुलिस ने ओम दुबे, अमन तथा शुभम के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ जानलेवा हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। इन दोनों पक्षों के खिलाफ पूर्व में भी डीडीनगर थाना क्षेत्र में मारपीट, हत्या की कोशिश, एनडीपीएस, मारपीट तथा उगाही करने के कई मामले दर्ज हैं।

हरिभूमि फॉलोअप

- जिनके खिलाफ अपराध दर्ज, उनमें से ज्यादातर हिस्ट्रीशीटर आदतन बदमाश

वर्चस्व की लड़ाई

डीडीनगर इलाके में गोपाल हैपट तथा ओम दुबे छोटे-मोटे बदमाशों को साथ जोड़कर अपराध करते हैं। इसके कारण कई दफा दोनों गुट के बीच विवाद के साथ मारपीट की घटना हो चुकी है। गुरुवार की घटना वर्चस्व की लड़ाई के लिए बताई जा रही है। हैप्पी का भी पूर्व में धमकी देने संबंधित ऑडियो वायरल हो चुका है।

ड्रग सप्लाई में भी नाम आ चुका है

गोपाल हैपट का पूर्व में एनडीपीएस में नाम आ चुका है। उसका एक ऑडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें वह किसी को धमकाते हुए कहता है कि वह जेल जाएगा तो किसी को निपटा कर जाएगा। सूत्रों के मुताबिक गोपाल हैपट को निचले स्तर के कई पुलिसकर्मियों की शह मिली है, इस वजह से वह अपराध करने के बाद आसानी से फरार हो जाता है।

तीन के खिलाफ पूर्व में हत्या की कोशिश का अपराध

पुलिस के अनुसार गोपाल हैपट, ओम दुबे तथा हैप्पी के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस, मारपीट तथा हत्या की कोशिश तथा अवैध वसूली करने के अपराध दर्ज हैं। तीनों आदतन बदमाश हैं। गोपाल पूर्व में हत्या की कोशिश के मामले में फरार चल रहा है। ऐसे में बीच सड़क पर गोपाल हैपट द्वारा अपने दोस्तों के साथ दूसरे गुट के साथ खूनी संघर्ष करने से कई गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। गुरुवार की घटना के बाद भी गोपाल की पुलिस को अब तक भनक नहीं लग पाई है।

10 घंटे का शटडाउन, आज शहरवासियों को एक टाइम नहीं मिलेगा पानी

रायपुर। भाठागांव चौक के पास 150 एमएलडी फिल्टर प्लांट के रॉ वाटर 1400 एमएम व्यास की एचएस राइजिंग पाइप लाइन में आए लीकेज के कारण शनिवार को रायपुर वासियों को एक टाइम का पानी नहीं मिल पाएगा। शटडाउन के कारण जिन इलाकों में सुबह के समय पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी, उनमें भाठागांव, चंगोराभाठा, कुशालपुर, डीडी नगर, ईदगाहभाठा, सरोना, टाटीबंध, कोटा, कबीर नगर, जरवाय, गोगांव, मठपुरैना, लालपुर, अमलीडीह, अवंति विहार, मण्डी, मोवा, सड्डू, दलदल सिवनी, रामनगर, कंचना, आमासिवनी, देवपुरी, बोरियाखुर्द, जोरा, भनपुरी नया, रायपुरा, कुकुरबेड़ा, बैरन बाजार नया, देवेन्द्र नगर नया, संजय नगर एवं मोतीबाग आदि शामिल हैं।

लीकेज के कारण 32 पानी टंकियों में शाम को नहीं चढ़ा पानी

निगम अधिकारी के अनुसार एचएस राइजिंग पाइप लाइन में आए लीकेज को ठीक करने के लिए शुक्रवार शाम को पानी की सप्लाई करने के बाद 32 टंकियों में 13 सितंबर को पानी नहीं चढ़ाया जाएगा। इसमें 150 एमएलडी प्लांट से भरने वाली 28 पानी टंकियां तथा नया 80 एमएलडी प्लांट से भरने वाली 4 पानी टंकी शामिल हैं।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

नेशनल लोक अदालत का आयोजन आज

तिल्दा नेवरा। 13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय तिल्दा में किया गया है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेश अनुसार छत्तीसगढ़ विधि के सेवा प्राधिकरण बिलासपुर एवं जिला अध्यक्ष विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के निर्देशानुसार आज 13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें तिल्दा नेवरा व्यवहार न्यायालय में न्यायाधीश भावेश कुमार वट्टी के अध्यक्षीय में उक्त लोक अदालत आयोजित है जिसमें सिविल प्रकरण, मोटरयान संबंधित प्रकरण, बैंक लोन प्रकरण, विद्युत विभाग से संबंधित प्रकरण सहित विविध प्रकरणों का आपसी निराकरण किया जाएगा।

मनवा कुर्मी समाज की बैठक आज

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज तिल्दा राज का प्रकरण बैठक, स्वास्थ्य शिविर का किया गया है आयोजन। कुर्मी छात्रावास नेवरा में छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज तिल्दा राज प्रधान ठाकुर राम वर्मा के नेतृत्व में 13 सितंबर शनिवार को प्रकरण बैठक आहूत किया गया है जिसमें युवा कार्यकारिणी द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। युवा अध्यक्ष दीपक वर्मा ने उक्त जानकारी देकर बताया कि बैठक में शनिवार को स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा जिसमें अधिक से अधिक संख्या में नागरिकगण शिविर का लाभ उठावें।

आज से फरफौद में कबड्डी प्रतियोगिता

आरंग। सरस्वती शिशु मन्दिर फरफौद मे सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति छत्तीसगढ़ के योजना के अनुसार प्रांत स्तरीय कब्बडी प्रतियोगिता रखी गई है। जिसमे छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से बाल वर्ग के विजेता भैया बहनो का दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ 13 सितम्बर को होगा व 14 सितंबर को पुरुस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समापन होगा। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथी मंत्री गुरु खुशवंत साहेब होंगे। अध्यक्षता रतन चक्रधर (अध्यक्ष, सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति छत्तीसगढ़) करेंगे।

अपाहिज पिता को पुत्र ने सुनसान मैदान में छोड़ाकर भागा, समाजसेवियों ने पहुंचाया घर

बुजुर्ग रात भर भूख और प्यास से तड़पता रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

मानवता को शर्मसार करने वाली घटना नया रायपुर के तांदुल गांव के पास सामने आई। कलयुगी बेटे ने अपने अपाहिज बुजुर्ग पिता को "पेट्रोल भरवाने जा रहा हूँ" कहकर सुनसान मैदान में छोड़ दिया और स्वयं भाग निकला।

रात के अंधेरे में लाचार बुजुर्ग जिंदगी और मौत के बीच जूझते रहे। इसी दौरान ग्राम पलौद के युवा साथी रिंकु चंद्रकार रास्ते से गुजर रहे थे। सड़क किनारे गाड़ी की रोशनी बुजुर्ग पर पड़ते ही उन्हें शंका हुई। नजदीक जाने पर बुजुर्ग ने कांपती आवाज में पानी माँगा। स्थिति देखकर रिंकु ने तत्काल अपने साथियों को बुलाया।

मानवता को शर्मसार करने वाले मामले की हो रही आलोचना

युवाओं ने दिया मानवता का परिचय

युवाओं ने दया भाव दिखाते हुए उन्हें खाना-पानी खिलाया और पूरी रात भूखे-प्यासे रहे बुजुर्ग को संभाला। इसके बाद युवाओं ने मानवता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सीधे थाना हसौद प्रभारी आशीष यादव को सूचना दी। थाना प्रभारी ने बिना देर किए पुलिस वाहन भेजकर रात लगभग 11 बजे बुजुर्ग (शारदा ध्रुव) को सुरक्षित उनके घर तोरला कठिया पहुँचाया। लेकिन वहां का नज़ारा और भी चौंकाने वाला था। पुलिस वाहन और अपने पिता को देखकर बेटे की नींद खुली और वह हड़बड़ाकर उठ बैठा। शर्म से गड़बड़ाए स्वर में उसने भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने की बात कही। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे बेटे समाज को कलंकित करते हैं, वहीं युवाओं और पुलिस ने मानवता की मिसाल कायम करते हुए समाज को जागरूक संदेश दिया है कि अपनों को त्यागना पाप है, सेवा करना धर्म। यह घटना न केवल बुजुर्गों की दुर्दशा की तस्वीर पेश करती है बल्कि यह भी दर्शाती है कि समाज में आज भी ऐसे सजग युवक और जिम्मेदार पुलिस अधिकारी मौजूद हैं, जो मानवता को जीवित रखे हुए हैं।

समस्या : अधिक बिल से गरीब वर्ग सर्वाधिक परेशान

अंचल में बिजली संकट गहराया विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

ब्लाक के सिलयारी क्षेत्र में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है, जिससे आम जनता और किसानों में भारी रोष है। लगातार हो रही बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर से आ रहे अत्यधिक बिल और बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने की घटनाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इसके विरोध में कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रदर्शन कर बिजली विभाग कार्यालय का घेराव किया।

स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद से उपभोक्ताओं को उनकी वास्तविक खपत से कहीं अधिक और दोगुने बिल भेजे जा रहे हैं। इससे गरीब और ग्रामीण जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर, किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। लगातार बिजली कटौती और

खराब ट्रांसफार्मरों की समय पर मरम्मत न होने से सिंचाई कार्य ठप हो गया है, जिससे उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस संबंध में बिजली विभाग के कार्यालयों में बार-बार शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे जनता में गहरा असंतोष है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो जनता बड़े पैमाने पर आंदोलन करने के लिए विवश होगी। उन्होंने कहा कि इसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी।इस दौरान कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्रीमती अनिता शर्मा, पूर्व राज्य सभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा ,ब्लाक अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्तिथ थे।

बिजली कटौती व स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

सिलयारी। क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। लगातार बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर से बढ़े हुए बिल और ग्रामों में बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने से आम जनता और किसान भाई बेहद परेशान हैं। प्रदेश कांग्रेस कमिटी ओबीसी विभाग के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भावेश बघेल ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत से कहीं अधिक और दुगुना बिल भेजा जा रहा है, जिससे ग्रामीण जनता आर्थिक बोझ से दब चुकी है। वहीं दूसरी ओर, लगातार बिजली कटौती और समय पर ट्रांसफार्मर की मरम्मत नहीं होने से किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं और सिंचाई कार्य ठप पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यालयों में बार-बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे क्षेत्र की जनता में गहरा असंतोष व्याप्त है। भावेश बघेल ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का तत्काल निराकरण नहीं किया गया, तो क्षेत्र की जनता विवश होकर बड़े आंदोलन एवं बिजली कार्यालय घेराव करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी। मुख्यरूप से उपस्थित जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष उधो वर्मा पूर्व विधायक अनीता शर्मा पूर्व राज्य सभा सदस्य छाया वर्मा ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा सरपंच धरसींवा साहिल खान सरपंच रैता आशीष वर्मा , कनहिया लाल यादव,जयंत साहू,पप्पू बंजारे,अंकित वर्मा संयम ठाकुर, जय साहू बिहारी लाल भारती, रोशन गोश्वमी, प्रदीप गोश्वमी, भगवानी डहरिया, कुंदन वर्मा, प्रमोद पाल, अजय कुर्रे, शेखर यादव, मुकेश शर्मा,कैलाश जायसवाल, हरिशंकर निषाद, मोहन वर्मा,गावेश साहू,चूणा मणि साहू, लोकेश्वरी वर्मा, सुरेश साहू,अभिजीत साहू, दिव्यानाथ वर्मा, पंकज नायक, शादाफ खान, एवं समस्त कार्यकर्तागण थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से कुथरेल में 3 गौवंशों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

सिलयारी चौकी अंतर्गत कुथरेल गांव के पास सड़क पर बैठी तीन गाय की मौत अज्ञात वाहन की रौंदने से हो गई,रायपुर जिले में हादसे का शिकार हुई गायों की मौत का यह पहला मामला नहीं हैं. जिले की अलग-अलग सड़कों पर आए दिन गाय हादसों का शिकार हो रहीं है, कई गाय बारिश के मौसम में सूखे स्थान पर बैठना पसंद करतीं है, जिसके लिए उनके पास एक ही विकल्प बचता हैं सड़कों पर बैठना. ऐसे में कई गांव हाइवे के किनारे बसे हुए हैं, जिसके चलते गाय गांव से निकलकर हाइवे व सड़को पर जा कर बैठ जाती हैं और कभी भी हादसे का शिकार होकर उनकी मौत हो जाती हैं. हालांकि हर रोज हो रहीं इन गायों की मौत की जिम्मेदारी न गाय मालिक लेता है और न ही प्रशासन से ले सरकार. यही वजह है कि गौवंश लगातार हादसे का शिकार होकर मौत की आगोश में समाती जा रहीं हैं.

कुथरेल गांव के सड़कों पर अज्ञात वाहन की ठोकर से 3 गौवंश की मौत हो गई, हालांकि ये कोई पहला मामला नहीं है जब गायों को किसी वाहन ने टक्कर मारी हो. इससे पहले भी गुरुवार सुबह, बुधवार शाम गाड़ी की ठोकर से

गौवंश घायल हुआ ऐसा कई बार ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बताया जा रहा है कि लगातार बढ़ते उद्योगों के चलते 24 घंटे भारी वाहन ओवरलोड तिवरैया से तिल्दा मार्ग में चल रहा है जिस पर प्रशासन पूरा मौन है कभी कोई जांच नहीं हो रहा है वहीं कुथरेल में लगभग 20 मीटर से ज्यादा तक गौवंशो को घसीटा है रात्रि 11 बजे से 12बजे के बीच हुआ घटना लेकिन सिलयारी पुलिस सुबह 8:30 बजे के बाद पहुंचा जब तक गौसेवक और ग्रामीण गौवंश का अंतिम संस्कार करवाने के गए थे। कुछ ड्राइवरो व्दारा सड़क पर बैठे मवेशियों को भगाने के लिए अपने गाड़ी से नीचे नहीं उतरते हैं और रौंदते हुए चला जाता है। जिससे आये दिन सड़को में गौवंशो की खून से रंग रहे हैं और जिम्मेदार लोगों मौन है।

बाइक व चोरी के 14 मोबाइल जब्त, तीन शातिर गिरफ्तार

आरंग। मोबाइल दुकान में चोरी के मामले में आरंग पुलिस ने तीन शातिरों को पकड़ने में सफलता पाई है। आरंग थाना प्रभारी राजेश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रार्थी यशवंत साहू ने थाना आरंग में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि आरंग बस स्टैण्ड पास स्थित हनुमान मंदिर के पीछे स्थित शुभकामना मोबाईल दुकान से कोई अज्ञात चोर 04-05 जुलाई की दरम्यानी रात दुकान के शटर में लगे ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर दुकान में रखें विभिन्न कंपनियों के मोबाईल फोन चोरी कर ले गया था। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी विरूद्ध थाना आरंग में अपराध क्रमांक 384/25 धारा 331(4), 305(ए) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया था।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना आरंग पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाये गये। हाल ही में जेल से रिहा हुये चोरी के आरोपियों के संबंध में भी जानकारी एकत्र करने के साथ ही चोरी के पुराने आरोपियों के संबंध में भी जानकारी एकत्र कर उनकी गतिविधियों पर निगाह रखीं जा रहीं थी। तकनीकी विश्लेषण सहित अन्य माध्यमों से भी लगातार अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर आरोपी को चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी में लगी टीम के सदस्यों को प्रकरण में संलिप्त आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में मंदिर हसौद रायपुर निवासी आरोपी नवीन बंजारे एवं अश्वनी बंजारे उर्फ़ बंटी सहित विधि के साथ संघर्षरत 01 बालक को पकड़ा गया। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर तीनों से कड़ाई से पूछताछ करने पर तीनों के द्वारा उक्त मोबाईल दुकान में चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। तीनों आरोपी/अपचारी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की विभिन्न कंपनियों के कुल 14 नग मोबाईल फोन तथा घटना में प्रयुक्त स्प्लेण्डर मोटर सायकल जुमला कीमती लगभग 2,20,000/- रूपये जप्त कर आरोपी/अपचारी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है। गिरफ्तार आरोपी नवीन बंजारे पिता गोपाल बंजारे उम्र 18 साल, अश्वनी बंजारे उर्फ़ बंटी पिता माखन बंजारे उम्र 20 साल दोनों निवासी ग्राम गुजरा फाटक थाना मंदिर हसौद जिला रायपुर व विधि के साथ संघर्षरत 01 बालक है।

अवैध ईंट भट्ठों से चंदखुरी क्षेत्र में प्रदूषण, फौरन कार्रवाई की मांग

चंदखुरी। चंदखुरी फार्म में अवैध रूप से संचालित हो रहे ईट भट्ठों के कारण बढ़ते प्रदूषण और जन-स्वास्थ्य पर खतरे को लेकर जिला पंचायत सदस्य कविता हेमंत कश्यप ने जिला कलेक्टर, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, और तहसीलदार मंदीर हसौद को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

कविता कश्यप ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि चंदखुरी फार्म क्षेत्र में 30-35 गाँवों के ग्रामीण रोजमर्रा की जरूरतों के लिए आते-जाते हैं और अनंत राम बरसीहा हाई

स्कूल में हजारों बच्चे पढ़ाई करते हैं। लेकिन सड़क किनारे चल रहे अवैध ईट भट्ठों से निकलने वाला काला धुआँ, धूल और डस्ट स्थानीय लोगों, राहगीरों और बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा कर रहा है। इससे साँस लेने में तकलीफ, दृश्यता में कमी और सड़क पर चलने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये भट्ठे छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वैध अनुमति के बिना संचालित हो रहे हैं, जो पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1981 का स्पष्ट उल्लंघन है। कविता ने प्रशासन से मांग की है कि इन भट्ठों का तत्काल निरीक्षण कर इन्हें बंद किया जाए, दोषियों पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई की जाए, साथ ही क्षेत्र में स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ।

नारायण बने अध्यक्ष वहीरालाल उपाध्यक्ष

आरंग। झेरिया साहू समाज बैहार का आवश्यक बैठक गुरुवार को सम्पन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से ग्रामीण स्तर के पांच पदाधिकारियो की नियुक्ति की गई। जिसमे अध्यक्ष नारायण प्रसाद साहू, उपाध्यक्ष हीरालाल साहू, महिला उपाध्यक्ष गिरिजा साहू, संगठन मंत्री जयसिंग राम साहू, महिला संगठन मंत्री बिसमत साहू बने।

प्रांतीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में सरोरा की छात्रा जियारानी ने जीता रजत पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

4 से 7 सितंबर तक पाटन दुर्ग में हुए भारोत्तोलन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में तिल्दा नेवरा क्षेत्र के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरोरा की छात्रा जिया रानी चतुर्वेदी ने रजत पदक जीता है। 77 प्लस किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता। यह खिलाड़ियों की जीत पूरे क्षेत्र के लिए गौरवशाली है। खिलाड़ियों के कोच अंजलि देवदास ने बताया कि ये खिलाड़ी प्रतिदिन निरन्तर अभ्यास करते है उसी का फल इन्हें प्राप्त हुआ है साथ ही साथ उन्होंने ये भी बताया कि ये खिलाड़ी कुछ अंक के लिए पिछड़ गए नहीं तो आज उनका चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता के लिए हो जाता। इसका कारण उन्होंने बच्चों के पास साधनों की कमी को बताया है। आज उनके पास वो सभी साधन होते जो राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के पास होता है तो वें राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर अपने प्रदेश छत्तीसगढ़ का नाम जरूर रोशन करते। खैर इस छोटे से क्षेत्र से बच्चों का साधनों के अभाव में भी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता तक भी पहुंचना बहुत ही गर्व बात है। इसके लिए समस्त ग्रामवासी में खुशी का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य अनिल वर्मा एवं समस्त स्टाफ ने बच्चों को बहुत बहुत बधाई दी है एवं खिलाड़ियों के लिए साधनों की मांग कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

■ साधन से ज्यादा जरूरी है कामयाबी के लिए निरंतर अभ्यास

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित को किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री राजेश गुप्ता आत्मज श्री हरिप्रसाद गुप्ता निवासी मेसर्स सुनीता कैमिकल्स (वर्तमान मे मेसर्स सुनीता फिनलिज लिमिटेड), राजकुमार कॉलेज के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ने स्वयं तथा अपने भाई श्री राकेश गुप्ता आत्मज श्री हरिप्रसाद गुप्ता साथ की [illegible]

स्थान- रायपुर (छत्तीसगढ़)
दिनांक 10/09/2025
जतिन जोशी (एडवोकेट)
'Maatru-Chhaya' Soni Bada, Beside Jeet Plaza, Fafadih Chowk Raipur (C.G.)
मो. 9926164835

// आम सूचना //

[illegible]

स्थान: रायपुर (छत्तीसगढ़)
दिनांक: 10.09.2025
जतिन जोशी (अधिवक्ता)
'Maatru-Chhaya' Soni Bada, Beside Jeet Plaza, Fafadih Chowk, Raipur (C.G.) मो. 9926164835

आम सूचना

[illegible]

जतिन जोशी (अधिवक्ता)
'Maatru-Chhaya', Soni Bada, Beside Jeet Plaza, Fafadih Chowk, Raipur (Chhattisgarh) 492009
E-Mail: jatinjoshi09@gmail.com

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला- दुर्ग (छ.ग.)

// सूचना-पत्र //

क्रमांक/ 2005/ प्र.01/ अ.वि.अ./ 2025
पाटन, दिनांक 11.09.2025

प्रति,
मनोहरी यादव पिता स्व. पंचु यादव, उम्र 55 वर्ष, निवासी गंगा नगर, भनपुरी, खमतराई रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

विषयः- प्रकरण की सुनवाई में उपस्थित होने बाबत। पेशी दिनांक 22.09.2025

आपको पेपर प्रकाशन के जरीये सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के लंबित अपील प्रकरण क्रमांक 202503100600010-अ/5 वर्ष 2024-25 पक्षकार मंगल यादव पिता स्व. दसरू यादव व अन्य (03) निवासी सरोना रायपुर तहसील व जिला रायपुर विरूद्ध मनोहरी यादव पिता स्व. पंचू यादव निवासी गंगा नगर,भनपुरी, खमतराई रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) विचाराधीन है, जिसमें आगामी पेशी दिनांक 22.09.2025 को नियत है। उक्त तिथि को आपकी उपस्थिति अनिवार्य है । निर्धारित तिथि को उपस्थित नही होने पर आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही कर दी जावेगी। जिसके लिये आप स्वतः जिम्मेदार होगे ।

आज दिनांक 11.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील, मुहर अंकित कर जारी किया गया ।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.), पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 12297 दिनांक 22.11.2012 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एम.आई.जी.-1 फ्लैट- 09/303 को श्री विनोद कुमार राखोंडे पिता श्री तुकाराम राखोंडे के नाम स्ववित्तिय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय रायपुर से दिनांक 18.09.2015 को लीजडीड (रजिस्ट्री) का निष्पादन करा लिया गया है। वर्तमान में श्री विनोद कुमार राखोंडे पिता श्री तुकाराम राखोंडे, निवासीः- अमदी नगर हुडुको भिलाई नगर, नियर काली बाडी, वेस्ट भिलाई, दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री मनोज कुमार गुप्ता पिता श्री बच्चा प्रसाद गुप्ता, निवासीः- रूम नं. 03, आई.एन.एस. रोड़, भुशीगांव, कुरवान्दे, आई.एन.एस. शिवाजी लोनवाला मावल पुणे, महाराष्ट्र पिन नं. 410402 को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में स्थित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एम. आई.जी.-1 फ्लैट- 09/303 के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्ध्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

आम सूचना

वाके मौजा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 14/13 रा.नि.मं.व तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर छ.ग. खसरा नं. 755/2 757/1, 763/1 रकबा क्रमश. 1.2300 हे., 1.1500 हे., 0.0046 हे. कुल ख.नं. 03 कुल रकबा 2.3846 हे. कृषि भूमि में से लगभग रकबा 1.2100 हे. भूमि बिक्री के संबंध में।

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण सुधा सिंह पति प्रीतम सिंह कलश 2. पुष्पा पति प्यारा सिंह 3. रेणु पति जगदीश कलश निवासी ग्राम रायपुर वाले के संयुक्त नाम से वाके मौजा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 14/13 तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर छ. ग. में ख.नं.755/2 रकबा 1.2300 हे. एवं ख.नं. 757/1 रकबा 1.1500 हे. एवं ख.नं. 763/1 रकबा 0.0046 हे. कुल ख.नं. 03 कुल रकबा 2.3846 हे. कृषि भूमि में से लगभग रकबा 1.2100 हे. भूमि राजस्व रिकार्ड में भू-स्वामी आधिपत्य में समिलात नाम से दर्ज है, जिसको मेरे पक्षकार के द्वारा क्रय किया जाकर ब्याना रकम देकर इकरारनामा निष्पादित कर लिया है, पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

इसलिए उपरोक्त सौदे के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, विक्रेता या उसके कोई वारिसान, फर्म सोसायटी, बैंक, शासकीय अर्द्धशासकीय निकाय, महाजन अथवा किसी अन्य को किसी भी प्रकार से कोई आपत्ति या उजरदावा हो तो आपत्तिमय प्रमाणित दस्तावेज के साथ मेरे नीचे दिये गये पते पर (15) पंद्रह दिवस के भीतर प्रस्तुत करें। एवं पावती प्राप्त करें। अन्यथा उपरोक्त अवधि के समाप्ति पश्चात मेरा पक्षकार बिक्रीशुदा भूमि का विक्रय पत्र का निष्पादन एवं पंजीयन करा लेवेगा तथा उसके बाद उपरोक्त सौदा के संबंध में कोई उजर दावा आपत्ति किया जावेगा, तो अमान्य व शून्य माना जावेगा। तथा मेरा पक्षकार उसके लिए किसी भी प्रकार से जवाबदार नही होगा।

सो सूचना जानें

दिनांक 11/09/2025
आरंग छ.ग.
के. के. गुप्ता अधिवक्ता
इंदिरा चौक आरंग जिला रायपुर छ.ग.
मो.नं. 9425228796, 7974662256

HEALTH TOWN

रामकथा
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

सीएम ने चना मुर्रा खाकर पुराने दिनों की याद ताजा की

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शुक्रवार को पत्रकारवार्ता के बाद काफी समय बिताया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने चना मुर्रा खाकर पुराने दिनों की याद ताजा की। यहां प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज एवं सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी ने उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर वित्तमंत्री ओपी चौधरी, सांसद संतोष पांडे, महामंत्री नवीन मार्कण्डेय, यशवंत जैन, कोषाध्यक्ष राम गर्ग, वरिष्ठ नेता रामसेवक पैकरा, प्रवक्ता अमित चिमनानी एवं दीपक उज्ज्वल, सुनील पिल्लई आदि उपस्थित थे।

बिना हेलमेट पेट्रोल न देने का निर्देश लें वापस

रायपुर। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा, सरकार पेट्रोल पंप संचालकों के कंधे पर बंदूक रखकर काम चला रही है। प्रदेश के आला अधिकारियों पर सरकार अब भरोसा तक नहीं कर पा रही है और एजेंटों के

माध्यम से हेलमेट कंपनियों को सीधा लाभ पहुंचाने पेट्रोल पंप के संचालकों को उपभोक्ताओं के प्रति हेलमेट अनिवार्य की जिम्मेदारी सौंप दी है। बिना हेलमेट पेट्रोल न देने के निर्देश को तत्काल वापस लेना चाहिए। श्री उपाध्याय ने कहा, इस फैसले से पेट्रोल पंप के पास दलाल सक्रिय हो चुके हैं और पेट्रोल भरवाने के लिए उपभोक्ताओं को 10 रुपए किराये पर हेलमेट उपलब्ध करा रहे हैं।

कांग्रेस का आरोप, 50 हजार की रोटी बनाने की मशीन 8 लाख में खरीदी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, जेम पोर्टल के माध्यम से राज्य के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ने 50 हजार की रोटी बनाने की मशीन को 7 लाख 95 हजार में खरीदा है। इसके पहले भी 200 के जग को 32 हजार में खरीदा गया था। एक लाख की टीवी को 10 लाख में खरीदा। इसी भ्रष्टाचार के कारण कांग्रेस की सरकार ने जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी बंद की थी, ताकि प्रदेश के बाहर के दलाल किस्म के सप्लायर राज्य के खजाने पर डाका न डाल सकें।

अब प्रदेश भाजपा में संभाग, जिलों के प्रभारियों के भी बदलेंगे चेहरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

आने वाले समय में प्रदेश संगठन की बैठक में होगा फैसला

प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी के ऐलान के साथ सात मोर्चा के अध्यक्ष भी नियुक्ति हो गए हैं। अब आने वाले समय में प्रदेश भाजपा संगठन की बैठक में संभाग और जिलों के प्रभारियों के साथ ही प्रकोष्ठों के संयोजक और सहसंयोजकों पर फैसला होगा। ज्यादातर पदों पर नए चेहरे ही नजर आएंगे। पांच संभागों में से तीन संभागों के प्रभारियों को वैसे भी दूसरे पद मिल गए हैं। इसी के साथ प्रदेश कार्यकारिणी नई बनने के बाद सभी जिलों के प्रभारी भी नए बनेंगे। जिलाध्यक्ष पहले ही नए बन चुके हैं। भाजपा के प्रदेश संगठन में सात अहम मोर्चा हैं। इनके अध्यक्षों का ऐलान हमेशा ही प्रदेश कार्यकारिणी के साथ होता है। ऐसे में जब 13 अगस्त को किरण देव की नई टीम का ऐलान किया गया तो सात मोर्चा के अध्यक्ष भी बनाए गए। इन सब में नए चेहरों को मौका दिया गया है। वैसे भी सभी मोर्चा के अध्यक्षों का कार्यकाल पूरा होने के बाद इनका बदला जाना तय था।

कई प्रभारियों को मिल गए हैं दूसरे पद

प्रदेश के पांच संभागों के इस समय जो प्रभारी हैं, उसमें दुर्ग के प्रभारी भूपेंद्र सवन्नी को क्रेडा का अध्यक्ष बना दिया गया है। इस तरह से बिलासपुर संभाग के प्रभारी अनुराग सिंहदेव छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष बन गए हैं। सरगुजा संभाग के प्रभारी राजा पांडेय को छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। अभी रायपुर संभाग के प्रभारी सौरभ सिंह और बस्तर संभाग के प्रभारी रजनीश सिंह को कोई पद नहीं मिला है। अब प्रदेश संगठन तय करेगा कि सभी संभागों के प्रभारी बदले जाएंगे या फिर दो संभाग के प्रभारियों के संभाग बदलकर उनको वापस जिम्मा दिया जाएगा। इसी तरह से जिलों के प्रभारियों में भी फेरबदल के साथ नए चेहरों को भी मौका दिए जाने की संभावना है। कई जिलों के प्रभारियों को भी दूसरे पद मिल गए हैं। ऐसे में इनका बदला जाना तय है।

सभी प्रकोष्ठ के बदलेंगे संयोजक और सहसंयोजक

भाजपा के प्रदेश संगठन में करीब डेढ़ दर्जन प्रकोष्ठ हैं। अब इसके भी संयोजक और सहसंयोजक बदले जाएंगे। इनके संयोजक और सह संयोजकों का कार्यकाल भी पूरा हो गया है। इनमें नियुक्ति के लिए प्रदेश संगठन की बैठक में चर्चा के बाद इनके संयोजकों और सहसंयोजकों के नामों का ऐलान होगा।

खनिज विभाग की कार्रवाई से राजस्व में वृद्धि

5 माह में खनिज सामग्री के अवैध उत्खनन-परिवहन भंडारण के 446 केस, विभाग ने वसूले पौने दो करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर जिले में पिछले पांच महीने के दौरान खनिज सामग्री का अवैध रूप से उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण करने के मामले में खनिज विभाग ने 446 मामलों में कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 82 लाख से अधिक रकम अर्थदंड के रूप में वसूल किया है। विभाग की इस कार्रवाई से शासन के राजस्व में वृद्धि भी हुई। इस कार्रवाई में रेत, मुरुम, चूना पत्थर, मिट्टी, ईंट एवं कोयला भी शामिल है। हालांकि सबसे ज्यादा रेत के मामलों में कार्रवाई करते हुए एक करोड़ 28 लाख से अधिक अर्थदंड विभाग ने वसूला है।

15 जगह उत्खनन, 56 भंडारण एवं रेत से भरी 309 गाड़ियां जब्त

वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल से लेकर अगस्त तक विभाग ने जिले में अवैध रूप से रेत उत्खनन के 15, रेत भंडारण के 56 तथा रेत परिवहन के मामले में 309 गाड़ियों को पकड़ा है। इनमें अवैध उत्खनन के मामलों में 28 लाख 22 हजार रुपए, अवैध भंडारण के मामलों में 34 लाख 450 रुपए तथा रेत के अवैध परिवहन मामलों में 66 लाख 72 हजार 6 सौ रुपए का जुर्माना वसूल किया है। इस तरह रेत के अवैध प्रकरणों में कुल 1 करोड़ 82 लाख 85 हजार रुपए वसूल किया है।

मुरुम के 75 मामलों में 26 लाख से अधिक जुर्माना वसूला

विभाग ने रेत के बाद दूसरी बड़ी कार्रवाई मुरुम के अवैध उत्खनन एवं परिवहन मामलों में की है। मुरुम के 11 अवैध उत्खनन के मामले कार्रवाई करते हुए 8 लाख 87 हजार 7 सौ रुपए तथा अवैध रूप से परिवहन में संलिप्त 64 गाड़ियों को पकड़कर उनके मालिकों से 17 लाख 43 हजार 2 सौ रुपए का जुर्माना वसूल किया है। इस तरह अवैध मुरुम के मामलों में कुल 26 लाख 30 हजार 9 सौ रुपए का जुर्माना वसूला है।

चूनापत्थर, मिट्टी, ईंट एवं कोयला के अवैध परिवहन मामलों में 26 लाख की वसूली

विभाग ने चूनापत्थर, मिट्टी, ईंट एवं कोयला के अवैध परिवहन के मामलों में गाड़ियों को पकड़कर उनके मालिकों से कुल लगभग 26 लाख रुपए का जुर्माना वसूल किया है। पकड़ी गई गाड़ियों में चूनापत्थर की 52, मिट्टी 3, ईंट 2 एवं कोयला की 5 शामिल हैं।

5 साल पहले इतने ही मामलों में इस राशि के समकक्ष वसूला था जुर्माना

खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार इतनी बड़ी कार्रवाई 5 साल पहले जिले में हुई थी। यह कार्रवाई वित्तीय वर्ष 2019-20 में हुई थी, जिसमें 446 मामलों में ही 1 करोड़ 82 लाख 4 हजार 594 रुपए जुर्माना वसूला था।

खनिज माफिया सक्रिय

विभाग की इस कार्रवाई से शासन के राजस्व में वृद्धि जरूर हुई है, लेकिन इस कार्रवाई से यह भी पता चला है कि जिले में खनिज सामग्री को अवैध रूप से उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वाले खनिज माफिया भी सक्रिय हैं, जो अपने लोगों की मदद से अवैध रूप से खनिज सामग्री की चोरी कराकर बिना रॉयल्टी दिए शासन के राजस्व को लाखों-करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचा रहे हैं।

सख्त कार्रवाई नहीं इसलिए हौसले बुलंद

खनिज सामग्री का अवैध रूप से उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के नाम पर सिर्फ जुर्माना लगाकर छोड़ दिया जाता है, जिससे इनके हौसले बुलंद हैं। जुर्माना देकर वे फिर इस अवैध कारोबार में जुट जाते हैं। इधर विभागीय अधिकारियों का कहना है कि नियम में जो प्रावधान है, उसी के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

लगातार कार्रवाई

विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। पिछले 5 माह में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के 446 मामलों में प्रकरणों में कार्रवाई कर जुर्माना वसूल किया है। प्रावधान में जो नियम है, उसी के तहत ही कार्रवाई जाती है।

– प्राची अवस्थी
खनिज अधिकारी रायपुर

बैज बोले- निवेश करने वाली कंपनियों की प्रोफाइल सार्वजनिक करे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सरकार ने करोड़ों खर्च कर बस्तर इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन किया। सरकार का दावा है कि 967 करोड़ का निवेश आया है। सरकार बताए कि इस प्रस्ताव में कितनी कंपनियों के साथ एमओयू किया गया। इन कंपनियों के द्वारा कितने दिनों में निवेश किया जाएगा। निवेश करने वाली कंपनियों की प्रोफाइल भी सरकार सार्वजनिक करे। सरकार के द्वारा एक दर्जन से अधिक शेल कंपनियों से एमओयू करने की तैयारी है। यह उनका शासकीय जमीन हड़पने का षड़यंत्र भी हो सकता है।

श्री बैज ने कहा, इन्वेस्टर कनेक्ट में एनएमडीसी और भारत सरकार की रेल तथा सड़क परियोजनाओं को छोड़ दिया जाए तो कोई भी ठोस प्रस्ताव नहीं है।

श्री बैज ने कहा कि प्रदेश में रोज-रोज हो रही हत्याएं अब डराने लगी है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद राज्य में अपराध और अपराधी दोनों बेलगाम हो गए हैं। श्री बैज ने कहा, साय सरकार में भ्रष्टाचार अमानवीयता और क्रूरता को पार कर गया है। श्री बैज ने कहा, जगदलपुर में कान्टीनेंटल छत्तीसगढ़ हॉस्पिटल खुला है।

इसमें 200 करोड़ एनएमडीसी के सीएसआर के फंड का पैसा लगा है। जमीन राज्य सरकार ने दी है। हैदराबाद के ग्रुप कान्टीनेन्टल हॉस्पिटल प्रा. लि. को चलाने दे दिया। इस अस्पताल के बोर्ड में न राज्य सरकार का उल्लेख है, न एनएमडीसी का उल्लेख है। कही नहीं लिखा है यह राज्य सरकार का संयुक्त उपक्रम है। एमओयू सार्वजनिक नहीं हुआ है, सरकार बताए, यहां गरीबों का किस दर पर इलाज होगा, गरीबों को क्या सुविधा मिलेगी।

अभियंता दिवस पर होंगे विभिन्न आयोजन

रायपुर। महान अभियंता सर मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया की 165वीं जयंती के अवसर पर विश्वेश्वरैया चैक में सुबह 9 बजे माल्यार्पण तथा संध्या 6 बजे जीई रोड़ स्थित हॉटल बेबीलॉन केपीटल में सुगम संगीत क्विज का कार्यक्रम रखा गया है। वहीं कार्यक्रम प्रभारी इंजीनियर गोपाल मेनन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में जल संसाधन, पीडब्ल्यूडी, पीएचई, आरडीए, नगर निगम, बीएसएनएल, अक्षय ऊर्जा सहित निजी और बडे औद्योगिक संस्थान से लगभग एक हजार अभियंताओं के आने की संभावना है। इस अवसर पर 30 उत्कृष्ट अभियंताओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

बिजली कटौती-स्मार्ट मीटर की समस्या गहराई, कांग्रेस ने दी घेराव की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सिलयारी क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। लगातार बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर से बढ़े हुए बिल और ग्रामों में बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने से आम जनता तथा किसान बेहद परेशान हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष भावेश बघेल ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत से कहीं अधिक और दुगुना बिल भेजा जा रहा है, जिससे ग्रामीण जनता आर्थिक बोझ से दब चुकी है। वहीं दूसरी ओर लगातार बिजली कटौती और समय पर ट्रांसफार्मर की मरम्मत नहीं होने से किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं और सिंचाई कार्य ठप पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि

विभागीय कार्यालयों में बार-बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे क्षेत्र की जनता में गहरा असंतोष व्याप्त है। श्री बघेल ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का तत्काल निराकरण नहीं किया गया तो क्षेत्र की जनता विवश होकर बड़े आंदोलन एवं बिजली कार्यालय घेराव करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उधोराम वर्मा, पूर्व विधायक अनीता शर्मा, पूर्व राज्यसभा सदस्य छाया वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, सरपंच धरसींवा साहिल खान, सरपंच रैता आशीष वर्मा, कनहिया लाल यादव, जयंत साहू, पप्पू बंजारे, अंकित वर्मा, संयम ठाकुर, रवि लहरी, अजय साहू आदि मौजूद रहे।

सिविल लाइंस मंडल भाजपा की सेवा पखवाड़ा पर कार्यशाला

रायपुर। बीजेपी सिविल लाइंस मंडल रायपुर दक्षिण विधानसभा में सेवा पखवाड़ा पर कार्यशाला आयोजित की गई। बीजेपी जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा, 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा, सभी कार्यकर्ता इसमें सक्रिय रूप से भाग लें और अंतिम व्यक्ति तक केंद्र तथा प्रदेश की लाभदायक योजनाओं की विस्तार से जानकारी दें। बीजेपी जिला उपाध्यक्ष ललित जैसिंघ ने कहा, सेवा पखवाड़े में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा, साथ ही स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। पार्षद सचिन मेघानी ने कहा, सभी कार्यकर्ता पखवाड़े में तन-मन से भाग लें। पार्षद अमर गिदवानी ने कहा, लोकल फोर वोकल पर स्वदेशी वस्तु को बढ़ावा देने अभियान चलाया जाएगा। मंडल अध्यक्ष सुनील कुकरेजा ने पखवाड़े में सिविल लाइंस मंडल के सभी कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। पार्षद स्वप्निल मिश्रा ने अपील की कि सेवा पखवाड़ा पर महिला मोर्चा बड़ी संख्या में हिस्सा लें।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में बेंगलुरु में सीपीए राष्ट्रीय सम्मेलन

डॉ. रमन ने कहा- विधायी संस्थाएं केवल कानून बनाने वाली मशीनें नहीं, ये लोकतंत्र की आत्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बेंगलुरु स्थित विधानसौध में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र के 11वें राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विधायी संस्थाओं में संवाद और चर्चा जन विश्वास का आधार, जन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम पर अपना संबोधन दिया। डॉ. रमन ने कहा, विधायी संस्थाएं केवल कानून बनाने वाली मशीनें नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र की आत्मा हैं, जहां जनता की आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति मिलती है। संवाद और चर्चा ही वह शक्ति है, जो लोकतंत्र को जीवंत और जनोन्मुख बनाए रखती है। डॉ. रमन ने कहा, लोकतंत्र का मूलाधार संवाद और विमर्श है। संसद और विधानसभाएं तभी फलती-फूलती हैं, जब उनमें खुले मन से सार्थक और

रचनात्मक चर्चा हो। यही प्रक्रिया जनता के विश्वास को मजबूत करती है। डॉ. सिंह ने युवाल नोआ हरारी की पुस्तक सेपिएन्स का उल्लेख किया और कहा, मानव सभ्यता के विकास में संवाद को सबसे अहम पड़ाव माना गया है। संवाद ही वह साधन है जिसने इंसान को जंगलों से निकालकर आधुनिक युग की ओर अग्रसर किया। आज भी समाज और लोकतंत्र का आधार संवाद ही है।उन्होंने कहा, पारदर्शिता और जवाबदेही संवाद का सबसे बड़ा प्रतीक है। स्वस्थ संवाद यह सुनिश्चित करता है कि सरकार की नीतियां जनता के सामने खुली हों और विपक्ष को भी सरकार की नीतियों की समीक्षा का पर्याप्त अवसर मिले। इससे जनता का विश्वास सुदृढ़ होता है। डॉ. रमन ने नीति-निर्माण में संवाद की महत्ता बताते हुए कहा, जब किसी विधेयक पर गहन चर्चा होती है, तो उसके सभी पहलुओं लाभ, कमियां और दीर्घकालिक प्रभाव पर विचार किया जाता है। इस प्रक्रिया से जो कानून निकलता है, वह अधिक मजबूत और संतुलित होता है।

सड़क के लिए भू-अर्जन में आएगी तेजी, उप मुख्यमंत्री साव ने की लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में शासन द्वारा स्वीकृति प्राप्त सड़क निर्माण के कार्यों के लिए जरूरी भू-अर्जन की कार्यवाहियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में जिला कलेक्टर के साथ मिलकर त्वरित कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ ही उन्हें निर्धारित समय पर पूरा करने पर जोर दिया। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता वीके भतपहरी भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

- कार्यों की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी
- बरसात के तुरंत बाद युद्धस्तर पर करें सड़कों की मरम्मत

26 स्वीकृत कार्यों की समीक्षा

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सड़क, सेतु और भवन निर्माण की सभी परियोजनाओं के कार्यों को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाते हुए समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फील्ड में सक्रियता व गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त सभी कार्यों में तेजी से भू-अर्जन कर निविदा की कार्यवाही पूर्ण करने और यथाशीघ्र कार्यारंभ करने को कहा।

बरसात के बाद सड़क मरम्मत करें

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में मौजूद सेतु बंध तथा सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए प्रस्तावित कार्यों के लिए जरूरी मंजूरी तत्परता से प्रदान करें। उन्होंने डीपीआर बनाते समय ही परियोजना का अच्छे से मूल्यांकन करने को कहा ताकि बजट और कार्य पूर्णता के लिए निर्धारित समय के पुनरीक्षण की जरूरत न पड़े। उन्होंने बरसात के तुरंत बाद प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने दिसम्बर तक सभी जिलों में मरम्मत का काम पूर्ण करने को कहा।

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री राजेश गुप्ता आत्मज श्री हरिप्रसाद गुप्ता निवासी मेसर्स सुनीता कैमिकल्स (वर्तमान मे मेसर्स सुनीता फिनलिज लिमिटेड), राजकुमार कॉलेज के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) ने स्वयं तथा अपने भाई श्री राकेश गुप्ता आत्मज श्री हरिप्रसाद गुप्ता साथ की [illegible]

स्थान- रायपुर (छत्तीसगढ़)
दिनांक 10/09/2025
जतिन जोशी (एडवोकेट)
'Maatru-Chhaya' Soni Bada, Beside Jeet Plaza, Fafadih Chowk Raipur (C.G.)

// आम सूचना //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा श्रीमति सुनीता गुप्ता पति श्री हरिप्रसाद गुप्ता निवासी मेर्सस सुनीता कैमिकल्स (वर्तमान मे मेर्सस सुनीता फिनलिज लिमिटेड), राजकुमार कॉलेज [illegible]

स्थान: रायपुर (छत्तीसगढ़)
दिनांक: 10.09.2025
जतिन जोशी (अधिवक्ता)
'Maatru-Chhaya' Soni Bada, Beside Jeet Plaza, Fafadih Chowk Raipur (C.G.) मो. 9926164835

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित को किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री हरिप्रसाद गुप्ता आत्मज स्वर्गीय श्री रामचंद्र गुप्ता निवासी मेर्सस सुनीता कैमिकल्स (वर्तमान में मेर्सस सुनीता फिनलिज लिमिटेड), राजकुमार कॉलेज के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि जो कि ग्राम लाभांडीह प.ह.न 65 (पुराना प.ह.नं. 113), रा.नि.म. रायपुर-2 (पुराना रा.नि.म रायपुर 9) तहसील एवं जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) में स्थित है के संदर्भ में श्री राकेश गुप्ता आत्मज श्री हरिप्रसाद गुप्ता निवासी मेर्सस सुनीता कैमिकल्स (वर्तमान में मेर्सस सुनीता फिनलिज लिमिटेड), राजकुमार कॉलेज के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) वर्तमान पता बी 602 सुनीता पार्क ब्लॉक-बी लोटस, लाभांडीह, जी.ई रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़) के समर्थन में दिनाक 17/09/1998 को [illegible]

स्थान: रायपुर (छत्तीसगढ़)
दिनांक 10.09.2025
जतिन जोशी (अधिवक्ता)
मो.-91 99261 64835
"Maatru-Chhaya", Soni Bada, Beside Jeet Plaza, Fafadih Chowk, Raipur (Chhattisgarh) 492009, Tel: +919926164835
E-Mail: jatinjoshi09@gmail.com

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला- दुर्ग (छ.ग.)

// सूचना-पत्र //

क्रमांक/ 2005/ प्र.01/ अ.वि.अ./ 2025
पाटन, दिनांक 11.09.2025

प्रति,
मनोहरी यादव पिता स्व. पंचु यादव,
उम्र 55 वर्ष, निवासी गंगा नगर,
भनपुरी, खमतराई रायपुर,
तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

विषयः- प्रकरण की सुनवाई में उपस्थित होने बाबत। पेशी दिनांक 22.09.2025

आपको पेपर प्रकाशन के जरीये सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के लंबित अपील प्रकरण क्रमांक 202503100600010-अ/5 वर्ष 2024-25 पक्षकार मंगल यादव पिता स्व. दसरू यादव व अन्य (03) निवासी सरोना रायपुर तहसील व जिला रायपुर विरूद्ध मनोहरी यादव पिता स्व. पंचू यादव निवासी गंगा नगर,भनपुरी, खमतराई रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) विचाराधीन है, जिसमें आगामी पेशी दिनांक 22.09.2025 को नियत है। उक्त तिथि को आपकी उपस्थिति अनिवार्य है । निर्धारित तिथि को उपस्थित नही होने पर आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही कर दी जावेगी। जिसके लिये आप स्वतः जिम्मेदार होगे ।

आज दिनांक 11.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील, मुहर अंकित कर जारी किया गया ।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.),
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 12297 दिनांक 22.11.2012 के द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एम.आई.जी.-1 फ्लैट- 09/303 को श्री विनोद कुमार राखोंडे पिता श्री तुकाराम राखोंडे के नाम स्ववित्तिय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय रायपुर से दिनांक 18.09.2015 को लीजडीड (रजिस्ट्री) का निष्पादन करा लिया गया है। वर्तमान में श्री विनोद कुमार राखोंडे पिता श्री तुकाराम राखोंडे, निवासीः- अमदी नगर हुडको भिलाई नगर, नियर काली बाडी, वेस्ट भिलाई, दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्री मनोज कुमार गुप्ता पिता श्री बच्चा प्रसाद गुप्ता, निवासीः- रूम नं. 03, आई.एन.एस. रोड़, भुशीगांव, कुरवान्दे, आई.एन.एस. शिवाजी लोनवाला मावल पुणे, महाराष्ट्र पिन नं. 410402 को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में स्थित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- एम. आई.जी.-1 फ्लैट- 09/303 के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्ध्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर

HEALTH TOWN
रामकथा
डॉ. संतोष जायसवाल
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
(कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ)
मो. 70891-60782
आंख एवम् कान नाक गला अस्पताल
कान से मवाद एवं परदे में छिद्र का दूरबीन पद्धति द्वारा ऑपरेशन
बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने कर्मा धाम मंदिर गली बोरिया रोड संतोषी नगर रायपुर, फोन 0771-4001080
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

नगर निगम के कई अभियंता इधर से उधर

रायपुर। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने प्रशासनिक व्यवस्था में कसावट लाने के लिए कई कार्यपालन अभियंताओं को इधर से उधर किया है। जारी आदेश के तहत कार्यपालन अभियता पदगाकर श्रीवास को जोन 8 से मुख्यालय, कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला को मुख्यालय विद्युत विभाग कार्य से जोन 10, प्रभारी कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा को जोन 10 से जोन 8, सहायक अभियंता संदीप शर्मा को प्रभारी कार्यपालन अभियंता मुख्यालय विद्युत विभाग, सहायक अभियंता अनुराग पाटकर को मुख्यालय से जोन 8, सहायक अभियंता फरहाज फारूखी को जोन 8 से मुख्यालय, उपअभियंता सत्यप्रकाश सिंह को जोन 2 से जोन 3, उपअभियंता मनीषा निराला को जोन 8 से मुख्यालय, उपअभियंता रमेश पटेल को मुख्यालय से जोन 8, उपअभियंता रविप्रभात साहू को जोन 10 से मुख्यालय, मानचित्रकार मनोज साहू को मुख्यालय से जोन 10 में पदस्थापना की गई है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील है।

मौखिक आदेश पर काम करवाने के बाद 10 लाख भुगतान रोका

रायपुर। लोक निर्माण विभाग के उप संभाग क्रमांक दो ने कोविड के बीच चिकित्सा कॉलेज में मौखिक आदेश पर काम करवाने के बाद 10 लाख का भुगतान रोक दिया है। यह जानकारी शुक्रवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान देते हुए डी-क्लास सिविल ठेकेदार राकेश मोहन त्रिपाठी ने बताया कि पीडब्ल्यूडी के अनुविभागीय अधिकारी द्वारा पारित किया गया काम पूरा किया है। उसके बाद भी राजभवन, गर्ल्स हास्टल और उपभोक्ता फोरम में मौखिक आदेश पर काम करवाया। इन सभी कामों की देय राशि 10 लाख से ज्यादा का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इससे श्रमिकों का वेतन और व्यापारियों से खरीदी गई सामग्री का भुगतान रुकने से आर्थिक दिक्कत आ रही है।

गौ विज्ञान परीक्षा निजी संस्था की, लेकिन नोडल अधिकारी सरकारी!

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

गौ विज्ञान परीक्षा को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब महाविद्यालयों और विवि में यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। निजी संस्था द्वारा आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए शासकीय संस्थानों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने कहा गया है। अर्थात निजी संस्था की परीक्षा के लिए शासकीय नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे।

छग राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी राजकीय और निजी विश्वविद्यालयों को खत लिखकर नोडल अधिकारी नियुक्त कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। आयुष विवि ने आदेश जारी कर सभी मेडिकल व नर्सिंग महाविद्यालयों को नोडल अधिकारी नियुक्त कर विवि सहित समिति को भी सूचित करने कहा गया है। गौ विज्ञान परीक्षा के अंतर्गत गाय आधारित परीक्षा छात्रों को दिलानी होगी। अर्थात मेडिकल और इंजीनियरिंग विद्यार्थी भी गाय आधारित प्रश्नपत्र हल करेंगे।

उल्लेखनीय है कि 4 नवंबर को आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए छात्रों का पंजीकरण प्रारंभ हो गया है। स्कूलों में प्रति छात्र 60 रुपए तथा महाविद्यालयों में प्रति छात्र 100 रुपए की राशि पंजीयन के लिए ली जा रही है। इसका भी विरोध हो रहा है। कई स्कूलों की मांग है कि इसे निशुल्क किया जाए ताकि गरीब छात्रों पर किसी तरह का दबाव ना बने। हालांकि विवाद के भय से महाविद्यालय-विद्यालय प्रत्यक्ष रुप से इसका विरोध नहीं कर रहे हैं।

वैज्ञानिक पक्ष समझना आवश्यक

छग राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति के अध्यक्ष सुबोध राठी ने कहा, अभी तक समाज गाय को सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही देखता आ रहा है, जबकि गाय का वैज्ञानिक पक्ष ज्यादा महत्वपूर्ण है। आज की पीढ़ी को गाय का वैज्ञानिक पक्ष बताने, दूध, दही, घी, गोबर, गोमूत्र पर हुए विभिन्न वैज्ञानिक शोध को बताने गौ विज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है।

रासायनिक खेती के दुष्परिणाम की जानकारी देने तथा जैविक खेती की ओर समाज को अग्रसित करने किचन गार्डन का अभियान भी इस परीक्षा के माध्यम से चलाया जा रहा है। इसका विधिवत प्रशिक्षण विद्यालय-महाविद्यालय के एक शिक्षक को प्रदान कर उनके माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा। परीक्षा विद्यार्थियों के लिए पूर्णतः ऐच्छिक है।

- गौ विज्ञान परीक्षा को लेकर विवाद, महाविद्यालयों के साथ विद्यालयों में भी होगा आयोजन
- उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी राजकीय व निजी विवि को लिखा खत
- मेडिकल छात्र हल करेंगे गाय आधारित पर्चे

पूरी तरह ऐच्छिक

आयोजित परीक्षा में शामिल होने अनिवार्य नहीं है। कोई संस्था अपने विद्यार्थियों को किचन गार्डन निर्माण का प्रशिक्षण दिलाने में दिलचस्पी रखती है तो इसके लिए समन्वयक नियुक्त करना होगा, जो पूरी तरह ऐच्छिक है। किसी भी संस्थाओं के लिए इसे अनिवार्य नहीं किया गया है।

- डॉ. दिनेश सिन्हा, कुलसचिव, आयुष विवि

शेयर ट्रेडिंग में चार गुना लाभ मिलने का झांसा देकर ठगी

ठगी का डबल डोज, एक महिला ने 18.50 लाख ठगे, दूसरी ने 53 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सरस्वती नगर थाना में एक ट्रांसपोर्टर ने दो अलग-अलग महिलाओं के खिलाफ शेयर ट्रेडिंग में चार गुना लाभ मिलने का झांसा देकर 71.50 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिन महिलाओं ने ट्रांसपोर्टर को ठगी का शिकार बनाया है, उन दोनों ने ट्रांसपोर्टर से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती कर झांसे में लेकर ठगी की। ट्रांसपोर्टर के साथ दोनों ठगी की घटना एक महीने के अंतराल में की गई। दोनों जालसाजों ने ट्रांसपोर्टर के साथ 15-20 दिन वाट्सएप चैटिंग कर ठगी का शिकार बनाया।

बजरंग चौक कोटा निवासी डाकेश्वर सिंह ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। डाकेश्वर ने पुलिस को बताया है कि जून 2025 में फेसबुक के माध्यम से श्रेया अग्रवाल नाम की एक महिला का फ्रेंड रिक्वेस्ट आया। फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने पर उसने वॉट्सएप के माध्यम से बातचीत शुरू की। 15-20 दिनों तक बातचीत करने के दौरान उसने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ट्रेडिंग कंपनी में चार गुना फायदा होता है। इसमें आपको भी पैसा इन्वेस्ट करना चाहिए। महिला के झांसे में आकर डाकेश्वर ने जालसाज द्वारा बताए गए अलग-अलग अकाउंट में 2 से 15 जुलाई के बीच 19 लाख 50 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। ट्रांसपोर्टर ने प्रॉफिट के पैसे निकालने की बात कही, तो महिला ने टैक्स पेमेंट करने की बात कह कर पेमेंट देने से मना कर दिया। इस पर ट्रांसपोर्टर को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली। इसके बाद उसने इसकी ऑनलाइन साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई।

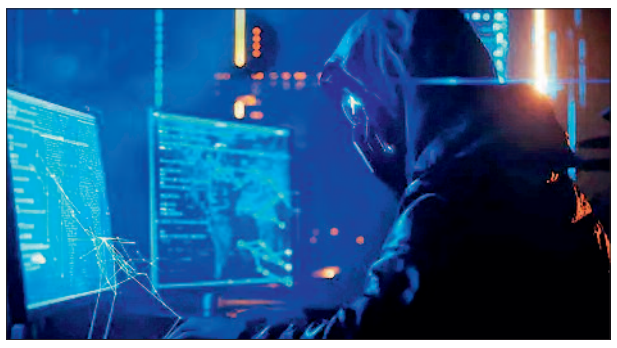

- दूसरी महिला ने एक लाख रुपए मुनाफा देकर ट्रांसपोर्टर को जाल में फंसाया
- ऑनलाइन साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई

एक लाख प्रॉफिट देकर झांसे में लिया

ठगी की पहली घटना के बाद फेसबुक के माध्यम से डाकेश्वर की एक अन्य महिला से दोस्ती हुई। उसने भी ट्रांसपोर्टर को शेयर ट्रेडिंग के नाम पर भारी मुनाफा मिलने के सब्ज बाग दिखाए। ट्रांसपोर्टर ने महिला को अपने साथ पूर्व में हुई ठगी की जानकारी दी। तब दूसरी महिला ने पहली महिला को जालसाज बताते हुए अपनी निवेश कंपनी को सही बताया। पहली घटना से किसी तरह से सीख नहीं लेते हुए ट्रांसपोर्टर ने दूसरी जासलाज महिला के अकाउंट में पांच लाख रुपए जमा किया। इसके बाद जालसाज महिला ने ट्रांसपोर्टर को एक लाख रुपए प्रॉफिट देते हुए छह लाख रुपए लौटाए। इसके बाद डाकेश्वर ने महिला के बताए गए अलग-अलग अकाउंट में किस्तों में 53 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिया। निवेश करने के बाद डाकेश्वर ने रकम निकालने की कोशिश की, तो पूर्व की तरह और टैक्स सहित अन्य तरह का झांसा देकर पैसों की मांग की गई। तब डाकेश्वर को पुनः ठगी का अहसास हुआ और उसने घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराई।

प्रदेश में बढ़ीं एमबीबीएस की 200 सीटें

शासकीय मेडिकल कॉलेज से ज्यादा क्षमता बालाजी मेडिकल कालेज में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दूसरे दौर की काउंसिलिंग के पहले राज्य के तीन निजी मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की दो सौ सीटें बढ़ गई हैं। राज्य में अब शासकीय जेएनएम मेडिकल कालेज की तुलना में निजी बालाजी चिकित्सा महाविद्यालय की क्षमता ज्यादा हो गई है। अब दूसरे राउंड की काउंसिलिंग में पौने चार सौ से अधिक सीट को शामिल किया जाएगा। इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शनिवार से शुरू होकर 17 सितंबर तक पूरी होगी।

हरिभूमि फॉलोअप

प्रवेश का अन्य शेड्यूल एमसीसी के अनुसार होगा। राज्य में एमबीबीएस-बीडीएस की प्रवेश प्रक्रिया पहले राउंड के बाद से अटकी हुई है। राष्ट्रीय चिकित्सा परामर्श समिति द्वारा इसके लिए विस्तृत शेड्यूल जारी किये जाने का इंतजार है। इस बीच एनएमसी ने राज्य के तीन निजी मेडिकल कालेज में 200 सीट बढ़ाने की अनुमति प्रदान कर दी है। इससे पिछले दिनों एक निजी कालेज में हुए जीरो ईयर का झटका कम हुआ है। 100 सीट बढ़ने के बाद बालाजी मेडिकल कालेज की क्षमता 250 की हो गई है। श्री शंकाराचार्य चिकित्सा महाविद्यालय में 50 सीट के इजाफे के बाद कुल संख्या 200 और अभिषेक मिश्रा स्मृति कालेज में 50 सीट की वृद्धि से क्षमता 150 की हो गई है। अनुमति प्राप्त इन सीटों को दूसरे राउंड की काउंसिलिंग में शामिल किया जाएगा। पहले राउंड की काउंसिलिंग के बाद रिक्त बची सीटों को मिलाकर दूसरे राउंड में एडमिशन के लिए पौने चार सौ से अधिक सीटें हो गई हैं। नयी सीटों को अनुमति मिलने के बाद श्री बालाजी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ढाई सौ सीटों के साथ राज्य का सबसे बड़ा मेडिकल कालेज बन गया है। इसके पहले पंडित जवाहर लाल नेहरु स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर 230 सीटों के साथ सबसे बड़ा था।

- दूसरे राउंड की काउंसिलिंग में पौने चार सौ से ज्यादा सीट होगी शमिल
- ऑनलाइन आवेदन आज से 17 सितंबर तक, शेड्यूल एमसीसी के अनुसार

सीटों का अपग्रेडेशन भी

शासकीय एवं निजी चिकित्सा तथा दंत महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए संस्था चयन की अंतिम तिथि 18 सितंबर रखी गई है। यह सुविधा पूर्व से पंजीकृत पात्र अभ्यर्थियों के लिए भी उपलब्ध रहेगी। इसके अतिरिक्त पहले से प्रवेशित छात्रों को अपग्रेडेशन का विकल्प भी प्रदान किया गया है। सीटों का आवंटन पूरी तरह प्राविण्यता के आधार पर राज्य स्तरीय काउंसिलिंग समिति द्वारा किया जाएगा।

पेज 03 का शेष ...

पहली बार नेत्र निर्माण...

लाखेनगर की गणेश प्रतिमा ढंक दी गई थी।

ऐतिहासिक समितियां में पारंपरिक स्वरूप : बजरंग दल के जिला संयोजक विजेंद्र वर्मा ने बताया, जब वे अपनी समिति के लिए माता की प्रतिमा लेने माना गए थे तब उन्हें पता चला कि माता की प्रतिमा उनके वास्तविक स्वरूप में नहीं बनाई जा रही है। जिन समितियों ने एआई इमेज देकर प्रतिमा निर्माण का ऑर्डर दिया था, उनमें भाठागांव, चंगारोभाठा, रामनगर कोटा, चंद्रखुरी की समितियां शामिल हैं। जिन 7 समितियों द्वारा इस तरह के ऑर्डर दिए गए थे, उनमें से अधिकतर 10 वर्ष से अधिक पुराने नहीं हैं। जबकि दशकों से जो ऐतिहासिक समितियां प्रतिमा स्थापित कर रही हैं, वे पारंपरिक स्वरूप में ही स्थापना कर रहे हैं।

नक्सल पीड़ित परिवारों ने राज्यपाल से की पुनर्वास योजनाओं के तहत प्रस्तावित सुविधाओं का लाभ दिलाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नक्सल पीड़ित परिवार शुक्रवार को राजभवन पहुंचे और यहां राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर उन्हें शासन की पुनर्वास योजनाओं के तहत प्रस्तावित राहत-घायल राशि, शिक्षा, छात्रवृत्ति, आवास सहित अन्य सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायत की। इस ज्ञापन के माध्यम से पीड़ित परिवारों ने राज्यपाल से मांग की है कि वे शासन से इस विषय पर बातचीत करें, ताकि प्रस्तावित सुविधाएं शुरू हो सकें, जिससे उन्हें और उनके बच्चों को लाभ मिल सके।

नारायपुर जिले से रायपुर पहुंचे नक्सल पीड़ित परिवारों में पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल थीं। ये सभी शासन की पुनर्वास योजनाओं के तहत सुविधाएं नहीं मिलने से परेशान होकर राज्यपाल से मिलने पहुंचे थे। इन सभी ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने राज्यपाल को अवगत कराया कि डा. रमन सिंह के कार्यकाल में नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए पुनर्वास योजनाएं प्रस्तावित की गई थीं। इन प्रस्तावित योजनाओं में राहत राशि मृत्यु पर राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा 5-5 लाख रुपए, घायलों के लिए स्थाई असमर्थता 5 लाख एवं गंभीर घायल के लिए 2 लाख रुपए, पीड़ित परिवारों के 18 वर्ष से कम उम्र के छात्र-छात्रा के अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति एवं आवास सुविधा, 18 वर्ष तक बच्चों के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने शासकीय एवं आवासीय स्कूलों में 12वीं तक निःशुल्क शिक्षा, जिनके माता-पिता नहीं हैं, के बच्चों की उम्र एवं परिस्थिति के आधार पर उनकी देखरेख, शिक्षा एवं जीविका के लिए शासन की विभिन्न योजना के तहत सुविधा, निजी स्कूलों में प्रवेश, अनुदान राशि, विश्वविद्यालय में निःशुल्क शिक्षा, प्रयास आवासीय विद्यालयों में 9वीं एवं 11वीं में सीधे प्रवेश, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में सीटों का आरक्षण, पात्र विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज में अतिरिक्त सीट का आवंटन आदि शामिल है।

बीच रास्ते में शराब पीने से मना किया तो आरक्षक को पीटा, वर्दी फाड़ी

- राजेंद्र नगर पुलिस ने चार बदमाशों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बीच रास्ते में शराब पीने से मना करने पर चार बदमाशों ने डॉयल-112 के आरक्षक के साथ मारपीट कर उसकी वर्दी फाड़ दी। घटना गुरुवार रात साढ़े नौ बजे अमलीडीह शराब दुकान के पास की है। आरक्षक की शिकायत पर पुलिस ने चार बदमाशों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

तुलेश मनहरे की शिकायत पर पुलिस ने अरुण चौहान, राजेश यादव, राहुल दीवान, रविंद्र कुमार भगत को गिरफ्तार किया है। आरक्षक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि घटना दिनांक को सेंट जोसेफ स्कूल कालोनी के पास कुछ लड़के शराब पी रहे थे। मौके पर डॉयल-112 के आरक्षक वाहन चालक दिनेश कुमार साहू के साथ वह मौके पर पहुंचा। पुलिस को आते देख लड़के मौके से भाग गए। भागे लड़कों ने दो बाइक घटना स्थल पर ही छोड़ दी।

मौके पर उपस्थित आरक्षक बाइक के पास खड़ा रहा। इतने में नशे में धुत चारों लड़के उसके पास पहुंचे और उसके साथ विवाद कर गाली-गलौज करने लगे। गाली-गलौज करने से मना करने पर शराबी लड़कों ने उसके साथ मारपीट कर उसकी वर्दी फाड़ दी। इस दौरान वाहन चालक दिनेश ने बीच-बचाव कर पुलिस की पेट्रोलिंग को सूचना दी। अन्य पुलिसकर्मियों को आता देख लड़के अपनी बाइक मौके पर छोड़ पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए, जिन्हें पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया।

बिजनेस साइट

सिपेट रायपुर का ग्रीन पैकेजिंग पर एमएसएमई कार्यशाला

रायपुर। सिपेट रायपुर द्वारा लघु उद्योग भारती, दुर्ग के सहयोग से भिलाई में एमएसएमई मंत्रालय की रैंप योजना के तहत 'ग्रीन पैकेजिंग में एमएसएमई के लिए अवसर और व्यावहारिक तरीके' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. सीपी दुबे, लोकेश परघनिहा, स्वतंत्र सिंह एवं कविता दर्रो ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सिपेट रायपुर के निदेशक डॉ. आलोक साहू ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी। तकनीकी सत्र में रेहान अली, अरविंद भट्टाचार्य एवं डॉ. राजश्री विजयवर्गीय ने ग्रीन पैकेजिंग, बायोडिग्रेडेबल सामग्री और संबंधित तकनीकों पर व्याख्यान दिए। प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से समस्याओं और समाधानों पर चर्चा की। अंत में सस्मिता मिश्रा ने आभार प्रकट करते हुए कार्यशाला का समापन किया। आयोजन में सिपेट रायपुर की टीम की सक्रिय भूमिका रही।

विख्यात कैंसर सर्जन डॉ. मंदार नाडकर्णी ने मित्तल कैंसर हॉस्पिटल रायपुर में दी विशेष सेवा

रायपुर। मुंबई स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल के विख्यात कैंसर सर्जन डॉ. मंदार नाडकर्णी ने मित्तल कैंसर हॉस्पिटल, रायपुर में एक विशेष चिकित्सा शिविर में अपनी सेवाएं दीं। इस शिविर के दौरान डॉ. नाडकर्णी ने कुल 47 कैंसर मरीजों की ओपीडी में जांच की और उन्हें विशेषज्ञ परामर्श व इलाज के बेहतर विकल्प सुझाए। इस अवसर पर डॉ. नाडकर्णी ने मित्तल हॉस्पिटल की नवनिर्मित एलिट बिल्डिंग कैंसर यूनिट का भी दौरा किया। उन्होंने यूनिट में उपलब्ध अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों और विश्व स्तरीय उपचार सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह यूनिट छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगी।

उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल में जो चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, वे किसी भी मेट्रो सिटी के बड़े संस्थानों से कम नहीं हैं। इस अवसर पर मित्तल कैंसर हॉस्पिटल की संस्थापक एवं प्रमुख प्रबंधनकर्ता डॉ. सुमन मित्तल ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज रायपुर में ही अत्याधुनिक तकनीक से किया जा सके।

बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स एवं कॉलेज, रायपुर में प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप का सफल आयोजन

रायपुर। इंडियन डेंटल एसोसिएशन छत्तीसगढ़ शाखा द्वारा आयोजित और आईडीए रायपुर शाखा द्वारा होस्ट की गई छत्तीसगढ़ स्टेट डेंटल कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप का सफल आयोजन बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स एवं कॉलेज रायपुर में किया गया। इस अवसर पर दंत चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञों ने अपने व्यावसायिक अनुभव और आधुनिक तकनीकों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुरेश शेनवी, डॉ. हिमाद्री चक्रवर्ती एवं डॉ. निखिल बहुगुणा रहे, जिन्होंने उन्नत दंत चिकित्सा तकनीकों, नवाचारों और उनके व्यावहारिक उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। वर्कशॉप में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से आए 100 से अधिक दंत चिकित्सकों ने भाग लिया और तकनीकी सत्रों से लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में बालाजी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. देवेंद्र नायक, बालाजी डेंटल कॉलेज के डीन डॉ. अनिल घोम, आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. वैभव तिवारी और सचिव डॉ. विवेक लाठ उपस्थित रहे।

भेद विज्ञान साधना शिविर आज, जुटेंगे कई राज्यों के साधक

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में पांच दिवसीय भेद विज्ञान साधना शिविर का आयोजन 14 सितंबर से किया जाएगा। शिविर उपाध्याय द्वय आध्यात्म योगी महेंद्र सागरजी महाराज साहब और युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज साहब की पावन निश्रा में होगा। उपाध्याय भगवंत मनीष सागरजी के मुताबिक, भेद विज्ञान शिविर का उद्देश्य संसार में रहकर सत्य को समझना है। सत्य नहीं जान पाने के कारण हम दुखी होते हैं। इस शिविर में हमें स्वयं को जानने का अवसर मिलेगा। आत्मा से जुड़ाव होगा। श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक समाज एवं चातुर्मास समिति, विवेकानंद नगर के अध्यक्ष श्याम सुंदर बैदमुथा ने बताया कि भेद विज्ञान शिविर में छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से 200 से अधिक साधक शामिल होंगे।

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 13 सितंबर 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

04

हाई ब्लड प्रेशर से बचना है तो कम...

सिटी इवेंट

कहानियों-कविताओं से सजेगा हिंद युग्म उत्सव, शामिल होंगे देश के साहित्यकार

रायपुर। साहित्य प्रेमियों के लिए 2 दिवसीय 'हिंद युग्म उत्सव 2025' आयोजित होने जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ पहली बार इस अनोखे उत्सव का साक्षी बनेगा। आगामी 20 और 21 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में कहानियां, कविताएं, संगीत और कला का संगम होगा। यह आयोजन कई मायनों में बहुत खास है, जिसमें कई बड़े नामचीन साहित्यकारों को लोग सुनेंगे। साथ ही मानव कौल, राहगीर, फैजल मलिक (पंचायत फेम), परितोष त्रिपाठी, नीलोत्पल मृणाल जैसे बहुत से कलाविदों को करीब से जानने-सुनने का मौका मिलेगा। 'हिंद युग्म उत्सव 2025' वर्तमान समय के अतिप्रसिद्ध और महान साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को केंद्र में रखकर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें श्री शुक्ल की लिखी कविताओं की नाट्य प्रस्तुतियां होंगी, साथ ही उन पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

200 से अधिक नई प्रतिभाएं देंगी प्रस्तुतियां

इस आयोजन में शामिल हो रहे साहित्य प्रेमियों को किताबों की दुनिया, इसके नए ट्रेंड पर परिचर्चाएं, लेखकों से मुलाकात, सिने-अभिनेताओं और सिनेमा-विशेषज्ञों से बातचीत एवं मुलाकात, हिन्दवी के 'कैंपस-कविता' कार्यक्रम का विशेष आयोजन, ओपन माइक 'छत्तीसगढ़ : मंच खुला है' का डेडीकेटेड मंच, जहां 200 से अधिक नई प्रतिभाएं अपनी प्रस्तुतियां देंगी, संगीतमय शाम, स्टैंड-अप कॉमेडी, बच्चों एवं बड़ों के लिए टेराकोटा, पेंटिंग इत्यादि की कार्यशाला, देशभर के सभी महत्वपूर्ण प्रकाशकों की किताबों की प्रदर्शनी, बिक्री के स्टॉल, (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पर विशेष-सत्र एवं प्रस्तुति, नई किताबों का लोकार्पण, आने वाली किताबों की कवर-रिलीज, स्टोरी टेलिंग, लाइव-सिंगिंग का विशेष सत्र जैसे कई महत्वपूर्ण स्लॉट निर्धारित किए गए हैं, जिसमें शामिल होने का मौका मिलेगा।

सिटी इवेंट

कला से नहीं चल पाता घर गांव में करनी पड़ती है खेती

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लोकगीतों की देशभर में प्रस्तुति से अपनी पहचान बना चुकीं लोकगायिका रेखा देवार ने बीते दिनों मुक्ताकाशी मंच पर लोकपर्व श्रृंखला के तहत कार्यक्रम पेश किया। इस दौरान उन्होंने हरिभूमि से लोककला और मंच को लेकर बातचीत की। उनका कहना है कि वर्तमान में मेरी यह पीढ़ी अंतिम पीढ़ी है, जो मंच पर पारंपरिक रूप से लोकगीतों के जरिए देवार जनजाति के बारे में लोगों को बता रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ी गीतों की दस से ज्यादा विधाओं में अनेक जगहों पर प्रस्तुति दे चुकी हैं, जिसमें सुआ, ददरिया, करमा, पंडवानी, जसगीत व पंक्ति गीतों को गाती हूं। बदलते समय के साथ भी प्रदेश के धार्मिक, घर में उत्सव व शोकसभा के लिए बुलाया जाता है। रेखा देवार कहती हैं कि देवार जाति में पैदाइशी कलाकार होते हैं, बस समय रहते पहचान करनी होती है और उस कला को सिखाने के लिए लगातार प्रयास करना होता है। पहले हमें घुमंतू के नाम से जाना जाता था, लेकिन समय के साथ परिवर्तन हुआ और समाज में एक पहचान मिली।

दादाजी ने सिखाए लोकगीत

रेखा का कहना है कि मंचों पर प्रस्तुति देने के साथ-साथ गांव में खेती भी करती हैं, जिससे घर-परिवार का खर्च चला सकें। लोकगीत उनके दादाजी ने सिखाए, जिससे वे आज इस मुकाम तक पहुंची हैं। उनका कहना है कि समय-समय पर ही काम मिलता है और पूरे तरीके से कला पर निर्भर नहीं रह सकते। बता दें कि उन्होंने देशभर के अन्य राज्यों में प्रस्तुति दी है, जिसमें मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, गुजरात व दिल्ली के साथ कई और जगहों पर अपने गायन से सबका दिल जीता है। इनकी टीम में सभी कलाकार 50 वर्ष से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन अभी भी उतने ही उत्साह से प्रस्तुति देते हैं। रेखा देवार को अब तक 500 से ज्यादा प्रस्तुतियों के अनुभव हैं।

विलुप्त हो रही देवार जाति

उन्होंने बताया कि देवार जाति अब धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है और साथ ही उनकी गायन संस्कृति की पहचान मिट रही है। रेखा देवार बताती हैं कि कला के अनेक रूप होते हैं और सभी को सीखना व अपनाना एक कलाकार की जिम्मेदारी होती है। आधुनिकता के आने से अब नए कलाकार उसी विद्या की ओर अग्रसर हो रहे हैं और पुरानी संस्कृति एवं गायन सीखने से कतराते हैं। इसलिए वे देवार परंपरा व संस्कृति को बचाने के लिए 55 से ज्यादा की उम्र में उतने ही जोश से हर जगह प्रस्तुति देती हैं और हर स्टेज को सामान्य रूप से देखती हैं। सुरूज बाई व तीजन बाई के बाद रेखा देवार ही लोकगीत की प्रस्तुति देती हैं।

मोबाइल-कंप्यूटर की ट्रेनिंग के बाद आरआरबी, एनटीपीसी, बैंकिंग, एसएससी और नेट जैसी परीक्षा की तैयारी भी

दृष्टिबाधित छात्रों का हौसला : आवाज से चला रहे कंप्यूटर तकनीक की मदद से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

आंखों से नहीं, लेकिन हौसलों से दृष्टिबाधित छात्रों को अपनी मंजिल का रास्ता नजर आ रहा है। राजधानी में वे तकनीक के सहारे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुट गए है। जहां पहले ब्रेल लिपि और विशेष किताबों के माध्यम से ही पढ़ाई संभव थी, वहीं अब तकनीकी नवाचारों ने छात्रों की तैयारी को नई दिशा दी है।

रायपुर। मोबाइल, कंप्यूटर, स्क्रीन रीडर, ऑडियो बुक्स और विशेष रूप से डिजाइन किए गए एप्लिकेशंस की मदद से दृष्टिबाधित छात्र अब रेलवे, नेट, एसएससी, बैंकिंग जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आत्मविश्वास के साथ तैयारी कर रहे हैं। हरिभूमि ने प्रेरणा स्कूल के छात्रावास में मौजूद खास दृष्टिबाधित छात्रों से बातचीत की, जहां उन्होंने अपनी पढ़ाई के नवीन उपकरणों की विशेष जानकारी दी। छात्रावास में मौजूद कंप्यूटर की मदद से वे कॉलेज के असाइनमेंट तैयार करते हैं, साथ ही प्रतियोगी परीक्षा के नोट्स भी वह खुद हिंदी और अंग्रेजी टाइपिंग की मदद से कर सकते हैं। ये सभी होनहार छात्रों को की-बोर्ड की पूर्ण जानकारी दी गई है, जो कंप्यूटर पर प्रत्येक काम सरलता से करते हैं।

ब्रेल लिपि स्लेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म से तैयारी

22 वर्षीय कमलेश्वरी वर्मा रेलवे एनटीपीसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटी हैं। हरिभूमि से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि मैं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए करती हूं। इसके लिए यूट्यूब पर लाइव क्लास, नेस्ट एग्जाम, स्टडी फॉर यू, और करेंट अफेयर जैसे शैक्षणिक चैनलों की मदद लेती हैं। स्कूल से ही विशेष ब्रेल लिपि की स्लेट का उपयोग नोट्स तैयार करने में होता है। कमलेश्वरी डिग्री गर्ल्स कॉलेज में बीए की पढ़ाई कर रही हैं।

कड़ी मेहनत से नेट की परीक्षा पास अब एमए की पढ़ाई खत्म होने का इंतजार

अंबिकापुर की होनहार शाहिना खातून ने नेट जैसे कठिन परीक्षा पास कर ली है। अब वे एमए की पढ़ाई पूर्ण होने का इंतजार कर रही हैं। बातचीत में बताया कि नजदीक से धुंधले तौर पर बड़े अक्षरों को पढ़ सकती हूं, लेकिन ज्यादा समय तक आंखों पर जोर देने से दर्द होने लगता है। ऐसे में वॉइस नोट्स और कॉलेज की क्लास को मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर उसे छात्रावास में आकर नोट्स बनाकर पढ़ाई करती थी। इससे पहले मैंने बीएड की भी पढ़ाई की है।

कम उम्र से ही प्रतियोगी परीक्षा की पढ़ाई

20 वर्षीय मंजू लता ने बताया कि कॉलेज के शुरुआती दिनों से ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में लगी हुई हूं। अब तक दो बार प्रतियोगी परीक्षा में बैठने का अवसर मिला है, लेकिन बेहतर जानकारी न होने के कारण पास होने में असफल रही। ऐसे में शिक्षकों ने आरआरबी, एनटीपीसी, बैंकिंग, एसएससी और टीचिंग फील्ड की जानकारी दी है, जिससे आधार पर मैं खुद को बेहतर श्रेणी में तैयार करने का प्रयास कर रही हूं।

आवाज सुनकर देती हैं कमांड

21 वर्षीय छात्रा छाया कुशवाहा अपने नोट्स कंप्यूटर पर टाइपिंग की मदद से तैयार करती हैं। वहीं पहले यू-ट्यूब और किताबों की मदद से पढ़ाई करती हैं, जिसे कंप्यूटर पर लिखती हैं। बीए और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए चैट जीपीटी, एआई टूल्स की मदद लेती हैं। उन्होंने बताया कि फोन पर कमांड देते वक्त बोलकर और हमारी बातें सुनकर एप्लिकेशन ओपन होता है। चमेली चक्रधारी ने बताया कि कक्षा 9वीं से मोबाइल फोन के सही उपयोग को लेकर ट्रेनिंग दी गई है, जिसकी मदद से अब प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी सरल हो गई है। इसके अलावा छात्रावास में कंप्यूटर पर स्पीकर फिट किया गया है, जिससे कंप्यूटर की प्रत्येक गतिविधि को ऑडियो की मदद से सुना जा सकता है। वहीं माउस के ऐरो को भी कमांड देने से वह अपनी दिशा बताता है।

एनसीसी कैंप शुरू, 502 कैडेट्स सीखेंगे शारीरिक प्रशिक्षण से लेकर फायरिंग और बैटल क्रॉप तक

रायपुर। 27 छत्तीसगढ़ बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल सौरभ कुमार एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्नल प्रदीप कुमार के निर्देशन में एनसीसी का 147वां वार्षिक प्रशिक्षण शिविर लखौली आरंग में शुरू हो गया है। शिविर का नेतृत्व कैंप कमांडेंट कर्नल प्रदीप नायर कर रहे हैं। इस दौरान शिविर में 525 छात्र सैनिकों ने अपना पंजीयन कराया है। दस दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में छात्र सैनिकों को शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, शस्त्र प्रशिक्षण, मैप रीडिंग, फायरिंग, फील्ड क्रॉप और बैटल क्रॉप के साथ-साथ एनसीसी पाठ्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर का उद्देश्य छात्र सैनिकों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के साथ उन्हें नेतृत्व कौशल से जोड़ना है। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को अनुशासन, देशभक्ति और टीम वर्क की भावना विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बायोमैट्रिक थंब वेरिफिकेशन के साथ जांच प्रक्रिया

शिविर में सूबेदार मेजर सत्यवर्त सिंह, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार गजेंद्र सिंह, बीएचएम सुनील कुमार, एमटी जेसीओ सूबेदार बलबीर सिंह और हवलदार सागर ने बायोमैट्रिक थंब वेरिफिकेशन के साथ जांच प्रक्रिया पूरी की। साथ ही प्रमुख लिपिक संतोष ओटवानी, सुमन कोसले व नरेंद्र बारले भी मौजूद रहे। शिविर में 11 एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जिनमें कैप्टन अविनाश सिंह, लेफ्टिनेंट दिनेश्वर सलाम, लेफ्टिनेंट प्रदीप कन्हेर, सेकंड ऑफिसर शेख रमजानी, सेकंड ऑफिसर खुमान साहू, सेकंड ऑफिसर सागर शर्मा, थर्ड ऑफिसर पीएल वर्मा, थर्ड ऑफिसर कमलेश चंद्राकर, थर्ड ऑफिसर राजेश चौहान, केयरटेकर मो. शोएब पाशा और केयर टेकर चेतना नायक शामिल हैं।

लायंस क्लब कैपिटल ने कैंसर वार्ड में दान की मॉनिटर मशीन

रायपुर। लायंस क्लब रायपुर कैपिटल के सदस्यों ने मेकाहारा के चिल्ड्रन्स कैंसर वार्ड में बच्चों के उपचार के लिए कैंसर मॉनिटर मशीन प्रदान की है। यह मशीन पीएमजेएफ लायन रंजना महावर ने दान दी है। सीनियर पीडियाट्रिशियन डॉ. प्रदीप चंद्राकर ने क्लब का आभार जताते हुए कैंसर के प्रकार, शुरुआती अवस्था में बचाव और वंचित वर्ग के उपचार संबंधी जानकारी दी। क्लब सदस्यों ने बच्चों से संवाद किया और मरीजों व स्टाफ को फल, बिस्किट, नाश्ता वितरित किया। बच्चों और अभिभावकों की दयनीय स्थिति देखकर सभी सदस्य भावुक हो गए और उन्हें सांत्वना दी। इस सेवाकार्य में शामिल होकर सभी को आत्मिक संतोष और खुशी का अनुभव हुआ तथा बच्चों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन कनीज सिद्दीक, सचिव लायन अमरजीत कौर ढल्ला, लायन डॉ. छाया बनर्जी, पीएमजेएफ लायन रंजना महावर, पीएमजेएफ पुष्पा तिवारी, पीआरओ संतोष गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष लायन जया सुर, लायन रीता मुखर्जी और लायन अंजी दीप यादव सहित कुल 9 सदस्य उपस्थित रहे।

कार्टून वॉच पत्रिका के 30 वर्ष पूर्ण होने पर राजधानी में फेस्टिवल

जम्मू-कश्मीर के कार्टूनिस्ट ने साझा किए अनुभव सीएम साय ने दिया लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

कार्नर न्यूज

रायपुर। राजधानी में कार्टून फेस्टिवल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कार्टून वॉच पत्रिका के 30 वर्ष पूरे होने के अवसर पर जीई रोड लभांडी स्थित एक निजी होटल में रखा गया। कार्टून फेस्टिवल में जम्मू-कश्मीर के राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कार्टूनिस्ट मनोज चोपड़ा ने शिरकत की, जिन्हें राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राष्ट्रीय स्तर पर कार्टून कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा। इस अवसर पर हरिभूमि की टीम ने कार्टूनिस्ट मनोज चोपड़ा से कार्टून कला के क्षेत्र में उनकी अब तक की यात्रा, चुनौतियां और जनजागरूकता में भूमिका को लेकर बातचीत की। कार्टूनिस्ट श्री चोपड़ा ने कहा कि लकीरों में जीवन के हर घटनाक्रम को कार्टून में बदलकर चुटीले अंदाज में रोज पाठकों तक पहुंचाना मेरा काम है। इस कार्टून आर्ट्स से मेरा बचपन से ही लगाव रहा है, एलएलबी व बीकॉम की पढ़ाई की, लेकिन खुद को कार्टून आर्ट से दूर नहीं कर पाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विजय शर्मा, विधायक अनुज शर्मा, बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णीका शर्मा व अन्य उपस्थित रहे।

कलाकारों ने बनाए एक से बढ़कर एक कार्टून

कार्टून फेस्टिवल में कार्टून आर्ट के सभी उम्र वर्ग के कार्टूनिस्टों ने राज्य रजत जयंती के 25 वर्ष थीम पर छत्तीसगढ़ महतारी का चित्र उकेरा तो किसी ने सुशासन की पहचान बने राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की तस्वीर बनाई। राजधानी में 35 वर्षों से कार्टून का प्रशिक्षण दे रहे कलाकार संघर्ष यदु व उनकी टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कलर पेंसिल आर्ट से बना छायाचित्र भेंट किया। सभी कार्टूनिस्ट कलाकारों के बनाए कार्टून की मुख्यमंत्री ने सराहना की। साथ ही कलाकारों संग मुख्यमंत्री का ग्रुप फोटो सेशन भी हुआ।

बस्तर की धरती पर हो अगला कार्टून फेस्ट : डॉ. द्विवेदी

हरिभूमि समाचार पत्र के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कार्यक्रम में अपने ओजस्वी उद्बोधन में बस्तर को नक्सलमुक्त बनाने केंद्र व राज्य सरकार के संकल्प का जिक्र करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री से आशा व्यक्त की कि 31 मार्च 2026 तक बस्तर की धरती सरकार के संकल्प के मुताबिक पूरी तरह से नक्सलमुक्त हो जाएगी। तब शांति स्थापित बस्तर की धरती पर कार्टून वॉच पत्रिका का अगला कार्टून फेस्टिवल यहीं आयोजित हो, ऐसी कामना करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जहां आज के समय में अखबार के पन्नों से कार्टून गायब हो रहे हैं, उस दौर में भी कार्टून वॉच पत्रिका के माध्यम से कार्टून को जिंदा रखने के 30 सालों के प्रयास के लिए कार्टून वॉच पत्रिका के संपादक त्र्यम्बक शर्मा की पहल सराहनीय है। साथ ही राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के कलाजीवियों के प्रति सम्मान व उदारवादी नीति की भी सराहना की।

धर्म लाइव

गोकुल को बाढ़ से बचाने श्रीकृष्ण ने उठा लिया था गोवर्धन पर्वत

रायपुर। कुपित इंद्रदेव गोकुल पर भारी वर्षा करते हैं, तब गोकुलवासियों को बाढ़ और वर्षा से होने वाली परेशानी से बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठा लिया था। परेशानी दूर होने पर गोवर्धन पर्वत के नीचे गोकुलवासी मनोरंजन करने लगते हैं। तब श्रीकृष्ण उन्हें वर्तमान संकट से अवगत कराते हुए कहते हैं कि गोवर्धन पर्वत तो मैंने उठाया है, लेकिन इसके लिए आपका प्रयास भी होना चाहिए। यह पूरी लीला हमें बताती है कि हमें सामर्थ्य के अनुसार प्रयास करना चाहिए। उसके बाद हमारे काम को भगवान स्वयं सिद्ध करेंगे। बिना प्रयास के सिर्फ भक्ति के बल पर सफल नहीं हो सकते। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में जारी श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन आचार्य धनंजय वैद्य शास्त्री ने यह बात श्रोताओं से कही।

विदेश की किसी नदी में यह सुविधा नहीं

आचार्य ने बताया कि यह हमारे पिछले जन्म का पुण्य है कि हमारा जन्म भारत भूमि में हुआ है। यह भूमि ऐसी है जहां न सिर्फ पुण्य कमाया जा सकता है, बल्कि अपने पापों का अंत भी किया जा सकता है। भारत में ही गंगा स्नान कर हम पाप मुक्त हो सकते हैं। विदेश की किसी नदी में यह सुविधा नहीं है। अगर पिछले जन्म में हमारे कार्य पाप श्रेणी के होते हैं, तो हम भारत के बदले अफगानिस्तान, ईरान, इराक में पैदा होते, जहां कभी भी बम फूट जाता है। हमें भारत भूमि में जन्म लेने के सौभाग्य का लाभ लेते हुए धर्म के मार्ग पर चलकर अधिक से अधिक पुण्य अर्जित करने के लिए सतत प्रयास भी करना चाहिए।

धर्म लाइव

जीवनभर काम आती है स्कूली शिक्षा आचार्य ने विद्यार्थियों को किया सजग

यह होड़ बच्चों को कुशाग्र बनाएगी

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में शुक्रवार को बच्चों से रूबरू होते हुए कथावाचक आचार्य धनंजय शास्त्री ने कहा कि स्कूलों में दी जाने वाली शारीरिक शिक्षा जीवनभर काम आती है। अगर स्कूल में नियमित व्यायाम, प्राणायाम कर रहे हैं तो इसे आगे भी जीवन में जारी रखें, ताकि भविष्य में डॉक्टरों की जरूरत न पड़े। आचार्य शास्त्री विद्यार्थियों के सवालों के जवाब देने रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि एसजीवी स्कूल नहीं, बल्कि मां सरस्वती की आराधना का तप स्थल है। जहां सभी बच्चे और महाराष्ट्र मंडल से जुड़े लोग तप कर रहे हैं। विद्यालय विद्या, संस्कार और ज्ञान का केंद्र होता है।

आचार्य ने कहा कि सभी बच्चे अपने जन्मदिन या विशेष दिन को यादगार बनाने के लिए अपने घर के आसपास या सुरक्षित स्थान पर एक पौधा लगाएं। पौधा जब पेड़ बनेगा तो उस पर बैठने पक्षी आएंगे, चीटियां अपना घर बनाएंगी। उसे देखकर आपको आनंद आएगा और यही धर्म है।

आचार्य ने आगे कहा कि 10वीं तक की पढ़ाई जीवन में खास भूमिका अदा करती है। यहां से आप भविष्य के लिए विषय चुनते हैं। विषय पर आपकी इतनी अधिक रुचि होनी चाहिए कि क्लास रूम से बाहर निकलकर अपने मित्रों से उस विषय पर चर्चा कर सकें। स्कूल के शिक्षकों से कहा कि बच्चों की रुचि को पहचानकर उसमें उन्हें पारंगत बनाना आपका धर्म है। इस बात की होड़ होनी चाहिए कि बच्चे उसी विषय में सर्वाधिक अंक अर्जित करें, जो पढ़ाते हैं। शिक्षकों के बीच की यह होड़ बच्चों को कुशाग्र बनाएगी। आचार्यश्री ने कहा कि पृथ्वी में अभी तक 42 सभ्यताएं हुई हैं। इनमें कई तो अब समाप्त भी हो चुकी हैं, लेकिन भारतीय सभ्यता सबसे प्राचीन होने के बाद अस्तित्व में है।

समाज इवेंट

आरबीआई ग्रेड बी ऑफिसर भर्ती के लिए आवेदन शुरू, 30 सितंबर अंतिम तिथि

रायपुर। रिजर्व बैंक में सरकारी नौकरी के इच्छुक युवाओं के लिए खुशखबरी है। आरबीआई की ओर से ग्रेड-बी ऑफिसर के 120 रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती निकाली गई है। आरबीआई की ओर से इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 10 सितंबर से शुरू हो चुकी है, इसकी निर्धारित अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 तक है। योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थी भर्ती में भाग लेने के लिए आवेदन ऑफिशियल वेबसाइट opportunities.rbi.org.in पर कर सकते हैं। आरबीआई की ओर से इस भर्ती के लिए परीक्षा तिथियों की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। साझा की गई डिटेल के मुताबिक, एग्जाम 18 एवं 19 अक्टूबर 2025 को होगा। जो भी उम्मीदवार भर्ती के लिए तय तिथियों के अंदर आवेदन करेंगे, उनको भर्ती परीक्षा में शामिल होने के लिए एडमिट कार्ड परीक्षा तिथि से कुछ दिन पूर्व डाउनलोड के लिए उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

आरक्षित वर्ग को छूट दी जाएगी

इस भर्ती में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी ने ऑफिसर ग्रेड **B General** पदों पर आवेदन के लिए 60 फीसदी अंकों के साथ ग्रेजुएशन (एससी/ एसटी/ पीएच 55%), ऑफिसर ग्रेड **B DEPR** पदों के लिए इकोनॉमिक्स, **Finance** में पोस्ट ग्रेजुएशन/ **PGDM**/ **MBA** और ऑफिसर ग्रेड **B DSIM** पदों पर आवेदन के लिए स्टैटिक्स या मैथमेटिक्स विषयों से पोस्ट ग्रेजुएशन किया हो। इसके साथ ही उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से कम और अधिकतम आयु 30 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ऊपरी आयु में आरक्षित वर्ग को नियमानुसार छूट दी जाएगी। आरबीआई ग्रेड बी ऑफिसर भर्ती के लिए आवेदन के साथ उम्मीदवारों को 850 रुपए शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यमों से करना होगा। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए शुल्क 100 रुपए निर्धारित है। ध्यान रखें कि यह फीस पिछले वर्ष के अनुसार है। बदलाव होने पर फीस अपडेट कर दी जाएगी। भर्ती से जुड़ी लेटेस्ट अपडेट के लिए उम्मीदवारों को ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट करने की सलाह दी जाती है।

● सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट ने जारी किया 'पाथवेज फॉर क्लाइमेट रेजिलिएंट एंड फॉरवर्ड-लुकिंग सीजी

क्लाइमेट फ्रेंडली एक्शन, जलवायु वित्त की व्यवस्था और क्षमता निर्माण पर फोकस, रोडमैप पर भी मंथन

'पीएम मोदी के विजन-2047 को साकार' करने के लिए क्लाइमेट फ्रेंडली एक्शन प्लान पर काम करने की जरूरत पर मंथन करने सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) ने शुक्रवार को एक कांफ्रेंस की। 'पाथवेज फॉर क्लाइमेट रेजिलिएंट एंड फॉरवर्ड-लुकिंग छत्तीसगढ़ जारी करते हुए किस तरह का रोडमैप बनाने से बहुमुखी विकास के साथ सरोकार से जुड़कर प्रदूषण के ग्राफ को कम करने में सफलता मिलेगी। किस तरह से भागीदारी निभा सकते हैं, जैसे विषयों पर एक्सपर्ट ने अपनी राय दी। इसके साथ ही जलवायु वित्त की व्यवस्था और क्षमता निर्माण पर भी फोकस किया गया।'

रायपुर। शहर के वीआईपी रोड स्थित होटल बेबीलॉन कैपिटल में शुक्रवार को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे की बीच अलग-अलग क्षेत्र से जुड़े एक्सपर्ट ने छत्तीसगढ़ को विकास की ओर अग्रसर करने के साथ ही प्रदूषण को किस तरह से कम किया जाए, रिपोर्ट में एनर्जी ट्रांजिशन, डिकार्बोनाइजेशन, आर्थिक विविधता से जुड़े उद्योगों की सहभागिता किस तरह से जलवायु वित्त, संस्थागत क्षमता विकास और पारिस्थितिक संरक्षण जैसे क्षेत्रों पर ठोस समाधान आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। शोध के आधार पर राज्य के पास पारिस्थितिक संरक्षण और समग्र विकास के साथ जोड़ने के लिए जो विशिष्ट अवसर मौजूद हैं, जैसे लौह अयस्क सहित प्राकृतिक संपदा को उपयोगी बनाने में होने वाले प्रदूषण को किस तरह से कम किया जा सकता है। इन तमाम विषयों को लेकर करीब 5 घंटे मंथन का दौर चला।

ग्रीन इकॉनॉमी की ओर बदलाव केवल उत्सर्जन

वहीं अभिषेक कुमार सिंह, आईएफएस, चीफ कंजर्वेटर ऑफ फारेस्ट ने एनर्जी प्लानिंग में इनोवेशन और पायलट प्रोजेक्ट को जलवायु अनुकूलन योजना के अनुरूप बनाने पर जोर दिया। आगे कहा कि ग्रीन इकॉनॉमी की ओर बदलाव केवल उत्सर्जन घटाने के लिए नहीं, बल्कि पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा, जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलताओं को कम करने और लोगों की सुरक्षा के लिए भी विजन 2047 के लिए रोडमैप जरूरी है। पीयूषकांत पांडेय, वाइस चांसलर, एमिटी यूनिवर्सिटी ने भी सामुदायिक ज्ञान एवं विरासत को योजना एवं निर्माण प्रक्रिया में सक्रियता से जोड़ने के लिए सलाह देते हुए कहा कि सभी स्टेक होल्डर को एक प्रोसेस में लेकर चलना होगा।

नवाचार और क्षमता निर्माण पर दिया जोर

एक्सपर्ट के रूप में रमापति कुमार ने विकेंद्रित दृष्टिकोण और समयबद्ध योजना की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जलवायु, पारिस्थितिक संरक्षण और समुदाय कल्याण पर आधारित हस्तक्षेप से राज्य प्रगति की ओर अग्रसर हो सकता है। इसके लिए पारंपरिक विकास संकेतकों से आगे बढ़ते हुए क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन, डिकार्बोनाइजेशन, संसाधन दक्षता और समुदाय कल्याण को केंद्र में रखते हुए भविष्य में बेहतर प्लानिंग के साथ काम करना होगा। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. वरप्रसाद कोल्ला ने की। एक्सपर्ट के रूप में भानुप्रताप सिंह, मनोज कुमार, प्रदीप टंडन ने उद्योग के रूप में पहचान, उद्योग नेतृत्व वाली ग्रीन ग्रोथ पहल, जमीनी स्तर पर क्लाइमेट-फ्रेंडली एक्शन के साथ जलवायु वित्त की व्यवस्था, नवाचार और क्षमता निर्माण को बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रदूषण से राहत वाले शहरों-सा बनाएं वातावरण

सेमिनार में राकेश कुमार चतुर्वेदी, सेवानिवृत्त आईएफएस, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट बायोडायवर्सिटी बोर्ड ने कहा कि राज्य के प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के सहयोग से ही जलवायु संतुलन संभव है। इसके लिए बड़े स्तर पर काम करने के साथ ही इसमें दूसरे राज्य के प्रदूषण से राहत वाले शहरों के अनुरूप प्रदेश में भी वातावरण निर्मित करने का प्रयास होना चाहिए। विकास कार्यों में प्रभावित क्षेत्र के लोगों का जीवन स्तर सुधारने और सुविधा बढ़ाने के लिए भी जलवायु वित्त की कड़ी में कमाई का अंश क्षेत्रीय सुविधाओं पर खर्च करने का रोडमैप बनाना जरूरी है। इससे प्रदूषण के ग्राफ को कम कर सकेंगे।

कौशिकी नृत्य बना स्वास्थ्य का मंत्र महिला वर्ग के लिए बेहद लाभदायक

पीसीओडी-थायरॉइड समेत 22 बीमारियों में मिल रहा आराम

रायपुर। महिलाएं और युवतियां इन दिनों पीसीओडी, पीसीओएस और थायरॉइड जैसी बीमारियों से बचाव तथा उपचार के लिए कौशिकी नृत्य की मदद ले रही हैं। विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों के जरिए युवतियों को इस नृत्य से जोड़ा जा रहा है। आनंद मार्ग प्रचारक संघ की चेयरमैन अर्पिता नंदावत ने बताया कि हर नृत्य की अपनी विशेष भाव-भंगिमाएं, मुद्राएं और उद्देश्य होते हैं, जो मन और शरीर दोनों को प्रभावित करते हैं। ठीक उसी प्रकार कौशिकी नृत्य भी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन के लिए लाभकारी है। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के मासिक धर्म चक्र को नियमित बनाए रखना और बीमारियों से बचाव करना है। आज देशभर में 1000 से अधिक महिलाएं नियमित रूप से यह नृत्य कर रही हैं और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। कौशिकी नृत्य को एक तरह का व्यायाम भी माना जाता है, जो शरीर और मन को जोड़ता है। इसमें कुल 18 स्टेप्स होते हैं। इन स्टेप्स के अभ्यास से शरीर की ग्रंथियां और जोड़ सक्रिय होते हैं, लचीलापन आता है और कई बीमारियों में सुधार होता है। यह नृत्य विशेष रूप से महिलाओं के लिए अधिक लाभकारी माना जाता है और मासिक धर्म चक्र की प्रक्रिया को संतुलित बनाए रखने में सहायक है।

प्रतिदिन 45 से 50 मिनट का नृत्य

यह नृत्य पुरूष व महिलाएं दोनों करते हैं, लेकिन आनंदमूर्ति द्वारा यह खास महिलाओं के लिए इसकी रचना की गई है। इसे करने से 22 से ज्यादा बीमारियां ठीक होती हैं, जिनमें जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, थॉयराइड, मेंस्ट्रुअल चक्र शामिल हैं। नृत्य की शुरुआत में दोनों हाथों को ऊपर की ओर फैलाना है और शरीर को झुकाना, फिर दाहिने या बाएं पैर को दूसरे पैर की एड़ी के पीछे रखते हुए शरीर को झुकाया और हिलाया जाता है। लगभग प्रतिदिन इसको 45 से 50 मिनट करना होता है और डाइट को फॉलो करना होता है। नृत्य का उद्देश्य ब्रह्मांडीय लय का अनुसरण करने का अनुभव देना होता है।

अभ्यासी सात्विक भोजन ही ग्रहण करें

अर्पिता नंदावत बताती हैं कि इस नृत्य वाले अभ्यासी को अपने खानपान पर भी ध्यान देना होता है, जिससे शरीर में ठीक होने की निशानी दिखे। उनके अनुसार, प्रतिदिन अभ्यासी को सात्विक भोजन खाना चाहिए, जिसमें दूध व उससे बनी चीजें, सुबह नाश्ते में फल व ड्रायफ्रूट्स और दोपहर व रात में अच्छी तरह भोजन करना है, जिससे व्यायाम करते समय शरीर में एनर्जी बनी रहती है। उन्होंने बताया कि मन को प्रभावित करने वाली सब्जियां, जैसे लहसुन, प्याज, लाल पोई साग व मसूर दाल खाने से बचें। ये सभी मन को उत्तेजित करते हैं और कौशिकी नृत्य करने वाले अभ्यासी को फायदा नहीं होता। साथ ही मांसाहारी व्यंजनों का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

वर्ल्ड प्रीमियर गुरमत शो में नजर आएंगी रायपुर की नवनीत कौर

रायपुर। सिख इतिहास और गुरबाणी ज्ञान पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध टीवी क्विज शो "आओ बनिए गुरसिख प्यारा" में रायपुर की नवनीत कौर सलूजा पत्नी सरदार गुरप्रीत सिंह पहली बार हिस्सा लेंगी। इस शो का वर्ल्डवाइड प्रीमियर रविवार 14 सितंबर को सुबह 10.30 बजे चढ़दीकला टाइम्स टीवी चैनल पर प्रसारित होगा। इस क्विज शो में प्रतिभागियों को नौ प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं, जिनमें ऑडियो-विजुअल राउंड और दो लाइफलाइन भी शामिल हैं। नवनीत कौर ने बताया, यह मेरे लिए गर्व और ज्ञान अर्जित करने का विशेष अवसर है। इस मंच से सीखने और अपने गुरमत ज्ञान को परखने का मौका मिल रहा है। नवनीत खरसिया के प्रतिष्ठित समाजसेवी स्व. प्रेम सिंह सलूजा की बहू हैं। समाजसेवा में स्व. सलूजा की प्रेरणा और मार्गदर्शन से ही नवनीत आज समाज में अपनी नई पहचान बना रही हैं।

बुनियादी ढांचा, विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाना विकसित छत्तीसगढ़ का आधार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती के अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में 'विकसित छत्तीसगढ़<\@>2047' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता शासकीय छत्तीसगढ़ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. तपेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद अब शोषित प्रदेश से पोषित प्रदेश की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के बाद से ही पृथक छत्तीसगढ़ राज्य की मांग रही है। मध्यप्रदेश में शामिल रहने के कारण छत्तीसगढ़ का लगातार शोषण होता रहा, जहां राज्य के बजट का केवल 10 प्रतिशत ही छत्तीसगढ़ के लिए आवंटित होता था। बिजली की आपूर्ति भी अन्य जिलों और राज्यों के मुकाबले छत्तीसगढ़ में काफी कम थी, लेकिन अब राज्य बनने के बाद विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। प्रो. गुप्ता ने बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ रोजगार के अवसरों को बढ़ाना विकसित छत्तीसगढ़ के लिए आवश्यक बताया और विकास के सभी पहलुओं में संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया।

● छत्तीसगढ़ के बस्तर समेत पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड में राहत सामग्री पहुंचाने लोग दे रहे जनसहयोग

आपदा प्रभावितों की मदद करने समाज-संस्थाएं बढ़ा रहे हाथ, दैनिक उपयोगी सामग्री भेजने का सिलसिला जारी

कार्नर न्यूज

रायपुर। तेज वर्षा के चलते बस्तर, पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड में आई बाढ़ ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। आपदा की स्थिति से जूझते परिवारों की मदद के लिए राजधानी की कई संस्थाओं और समाजों ने जनभागीदारी से राहत सामग्री भेजने का सिलसिला शुरू किया है। कई समाज के सदस्य राहत पहुंचाने के लिए किस तरह से सहयोग किया जा सकता है, इसे लेकर मंथन की तैयारी में हैं। प्रदेश या देश के किसी भी क्षेत्र में जब कभी आपदा की स्थिति बनती है तो शहर के लोग सहयोग की भावना और टीम वर्क करते हुए प्रभावित परिवारों की जरूरत को देखते हुए दैनिक उपयोग की सामग्री भेजने के लिए प्रयास करते हैं। गायत्री परिवार के परिजनों ने अभी बस्तर और उत्तराखंड में लोगों की सेवा के लिए तत्परता दिखाते हुए जरूरी सामग्री वाहनों से प्रभावितों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किया है।

भेज रहे तालपत्री, मच्छरदानी और सामान

गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी गुरुनानक नगर की पहल से पंजाब में बाढ़ प्रभावित परिवारों को जरूरी सामान उपलब्ध कराने के लिए दैनिक सामग्री से भरे एक वाहन को हैप्पी सिंह सिब्बल, कुलदीप जुनेजा ने रवाना किया है। पदाधिकारियों ने प्रभावितों की जरूरत को देखते हुए जल्द ही बड़े स्तर पर प्रयास करने की तैयारी शुरू की है। परमजीत सिंह दत्ता ने बताया कि इससे पहले लोगों को जरूरत का सामान भेजा गया है। इनमें तालपत्री, मच्छरदानी, चावल, दाल सहित दैनिक उपयोग की सामग्री, कपड़े फिर से भेजने की तैयारी चल रही है। वहां से मिलने वाली सूचना के आधार पर सेवा देने का प्रयास किया जा रहा है।

कई संस्थाओं और समाज के सदस्य लेंगे निर्णय

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय महामंत्री यशवंत सिंह वर्मा ने बताया कि बस्तर सहित पंजाब और राजस्थान में आपदा की स्थिति है। वहां की समस्याओं को देखते हुए रविवार को होने वाली बैठक में राहत पहुंचाने के लिए किस तरह से प्रयास किए जा सकते हैं, इसको लेकर चर्चा की जाएगी। समाज द्वारा लिए जाने वाले निर्णय के आधार पर आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। कुछ इसी तरह का प्रयास सरोकार के लिए काम करने वाली संस्थाओं ने शुरू किया है। वे बाढ़ से प्रभावितों को मदद पहुंचाने निर्णय लेने वाले हैं। इस दिशा में सेवा देने के लिए संस्थाएं और फाउंडेशन पहल करने वाले हैं।

बीस हजार लोगों तक पहुंचाई जरूरी सामग्री

गायत्री शक्तिपीठ समता कॉलोनी रायपुर में शुक्रवार को एक बैठक की गई। इसमें बस्तर क्षेत्र के बाढ़ प्रभावितों की मदद कैसे की जाए, इस पर चर्चा हुई। जोन समन्वयक आदर्श वर्मा द्वारा धमतरी, रायपुर, जगदलपुर और महासमुंद के परिजनों से तालमेल बनाते हुए प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता के लिए संकल्प लिया गया। उन्होंने बताया कि अभी तक प्रभावित परिवारों के लिए लगभग 200000 लोगों तक जरूरी सामग्री पहुंचाने का प्रयास किया गया है। जल्द ही वाहन से राहत सामग्री के पैकेट तैयार कर फिर से बस्तर भेजने की तैयारी है। आटा, दाल, तेल, मिट्टी तेल, मूंग, लालटेन, चायपत्ती, बिस्किट, पोहा, मोमबत्ती के साथ बच्चों और बड़ों के लिए कपड़े पैकिंग कर भेजे जा रहे हैं। हरिद्वार की आपदा समिति उत्तराखंड में सेवा दे रही है।

सिटी स्पोर्ट्स

महिला क्रिकेट में ऐश्वर्या ने बनाए नाबाद 48 रन

रायपुर। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा सीनियर वुमेंस इंटर स्टेट टी 20 अभ्यास मैच 2024-25 जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ सहित गोवा, हिमाचल प्रदेश और गुजरात आदि टीमें हिस्सा ले रहीं है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ का तीसरा मैच गुजरात के विरुद्ध अहमदाबाद में खेला गया। छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर केवल 93 रन ही बनाये। गुजरात की ओर से कृष्णा पटेल ने सर्वाधिक 25 रन तथा जील मीठाईवाला ने 19 नाबाद रनों का योगदान दिया। कनक पटेल ने 15 रन बनाये। छत्तीसगढ़ के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया तथा बल्लेबाजो को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से प्रीती यादव, महक नरवसे तथा श्रेया श्रिवास ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। 94 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ ने 17.3 ओवरों में 3 विकेट खोकर 94 रन बनाकर आसानी से मैच जीत लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से ऐश्वर्या सिंह ने सर्वाधिक 48 रन नाबाद तथा नेहा बडवैक ने 23 रनों का योगदान दिया। गुजरात की ओर से पुष्टि नादकर्णी ने 3 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 7 विकेट से जीत लिया।

चुनी गई अंडर-23 और सीनियर वर्ग के लिए बीसीए टीम

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित की जाने वाली अंडर 23 एवं सीनियर वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिता में बीसीए के खिलाड़ी भी भाग लेंगे। इस हेतु एक चयन स्पर्धा का आयोजन 7 सितंबर को कल्याण कॉलेज स्थित इंडोर पिच में किया गया। इस चयन स्पर्धा में कुल 55 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसके अंतर्गत अंडर-23 में 30 खिलाड़ियों ने एवं सीनियर वर्ग में 25 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस चयन स्पर्धा के कोऑर्डिनेटर प्रशांत कुमार भारद्वाज थे।

ग्रैंडमास्टर थिप्से को हेमंत ने भेंट की स्मारिका

रायपुर। विश्व चेस ओलंपियाड में भारत का सात बार प्रतिनिधित्व तथा सात बार शतरंज के राष्ट्रीय चैंपियन रह चुके ग्रैंडमास्टर अर्जुन अवॉर्डी प्रवीण थिप्से को जिला शतरंज संघ महासमुंद व छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सचिव हेमंत खुटे ने खेल पत्रिका शतरंज सम्राट की स्मारिका भेंट की। इस दरमियान हेमंत ने जिला एवं राज्य में चल रही शतरंज गतिविधियों से अवगत कराया। श्री थिप्से ने स्मारिका के प्रकाशन के लिए हेमन्त खुटे को बधाई दी तथा स्मारिका में प्रकाशित अपने आलेख को देखकर प्रफुल्लित हुए। महासमुंद ऑल इंडिया फीडे रेटिंग टूर्नामेंट पर आधारित इस स्मारिका का संपादन हेमंत खुटे द्वारा किया गया है । ज्ञात हो कि शतरंज प्रशिक्षण के सिलसिले में प्रवीण थिप्से रायपुर आए हुए हैं।

नेशनल थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ को दूसरा स्थान

रायपुर। थाई बॉक्सिंग इंडिया 6वीं नेशनल थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 का आयोजन थाई बॉक्सिंग एसोसिएशन उत्तरप्रदेश द्वारा 29 अगस्त से 31अगस्त तक बनारस में किया गया। इसमें पूरे देश भर से 22 राज्यों ने प्रतिनिधित्व करते हुए सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में शानदार खेल दिखाया। छत्तीसगढ़ राज्य से भी सभी जिलों से अपने स्कूलों से बच्चों को प्रतिनिधित्व के लिए उत्तर प्रदेश भेजा गया था। जिसमें मुख्य रूप से दंतेवाड़ा, रायपुर, कोरबा एवं बिलासपुर जिले से लगभग 91 बच्चे खेल में भाग लिए। थाई बॉक्सिंग में बच्चे अपनी प्रतिभा दिखाते हुए छत्तीसगढ़ को दूसरा स्थान दिलाकर राज्य का गौरव बढ़ाया। जीत से लबरेज इन बच्चों के रायपुर आगमन पर रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने इनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

सेहत के प्रति सचेत रहें तो जीवन बीतेगा सुखमय

हाई ब्लड प्रेशर से बचना है तो कम करिए सोडियम और बढ़ाइए पोटेशियम की मात्रा, आसान है यह बदलाव करना

हाई ब्लड प्रेशर तेजी से बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्या है जिसका खतरा लगभग सभी उम्र के लोगों में देखा जा रहा है। इसे हृदय रोगों, जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक की समस्या का भी प्रमुख कारण माना जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए प्रयास करते रहने चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण इस रोग का जोखिम बढ़ गया है, विशेषकर आहार में सोडियम वाली चीजों की अधिकता को हाई ब्लड प्रेशर के लिए प्रमुख कारक माना जाता है। इससे बचाव के लिए न सिर्फ आहार को ठीक रखना जरूरी है साथ ही दिनचर्या में भी सुधार किया जाना आवश्यक हो जाता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सोडियम की अधिकता के कई दुष्प्रभाव हैं, पर इसके लिए पोटेशियम बड़ा तोड़ हो सकता है।

सोडियम को करें कम, पोटेशियम की बढ़ाएं मात्रा

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट के मुताबिक आहार में सोडियम की मात्रा को कम करने और पोटेशियम को बढ़ाने से आपको लाभ हो सकता है। आप जितना अधिक पोटेशियम वाली चीजें खाते हैं, उतना अधिक सोडियम आपके मूत्र के माध्यम से शरीर से बाहर होता है। इसके अलावा पोटेशियम आपकी रक्त वाहिका की दीवारों में तनाव को कम करने में भी मदद करता है, जिससे रक्तचाप को और कम करने में मदद मिल सकती है। 120/80 मिमी एचजी से ऊपर रक्तचाप वाले वयस्कों को आहार के माध्यम से रोजाना पोटेशियम प्राप्त करने की सलाह दी जाती है, ये आपको हृदय रोगों के खतरे से भी बचाने वाली हो सकती है।

आहार से प्राप्त करें पोटेशियम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, 18-50 वर्ष की आयु के पुरुषों के लिए रोजाना 3,400 मिलीग्राम और महिलाओं के लिए 2,600 मिलीग्राम पोटेशियम लेने की सलाह दी जाती है। डैश डाइट वाली चीजें, जैसे आहार में फल, सब्जियां, लो फैट वाली चीजें, डेयरी उत्पाद और मछली में प्राकृतिक रूप से पोटेशियम की अधिकता होती है।

आप केले के सेवन से भी शरीर के लिए इस पोषक तत्व की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। एक मध्यम आकार के केले में लगभग 226 मिलीग्राम पोटेशियम होता है, ये ब्लड प्रेशर के रोगियों के लिए सबसे लाभकारी है।

पोटेशियम की लिए किन चीजों का करें सेवन

आहार विशेषज्ञ बताते हैं, दैनिक आहार की कई चीजों से आसानी से पोटेशियम की पूर्ति की जा सकती है। पत्तेदार सब्जियां, फलियां, नट्स, डेयरी उत्पाद से आसानी से इसे प्राप्त किया जा सकता है। सूखे मेवे (किशमिश, खुबानी), दाल, आलू, पालक और ब्रोकली के साथ एवोकाडो भी आपके लिए इस पोषक तत्व की आवश्यकताओं की आसानी से पूर्ति करने में सहायक हैं।सभी लोगों को अपने आहार में इन चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए।

हृदय रोगों का बढ़ता जोखिम होगा कम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आहार में पोटेशियम वाली चीजों की मात्रा को बढ़ाकर कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। बढ़ते हृदय रोगों के खतरे से बचाने में भी इसके लाभ हो सकते हैं। हालांकि ध्यान रखें कि बहुत अधिक मात्रा में इसका सेवन करना भी नुकसानदायक हो सकता है। बहुत अधिक मात्रा में पोटेशियम के कारण मतली-उल्टी, पल्स रेट में अनियमितता, सांस की समस्या होने और पेट की दिक्कतों के बढ़ने का भी खतरा हो सकता है। इसलिए इसका संयमित मात्रा में ही सेवन किया जाना चाहिए।

ऑल इंडिया बैडमिंटन टूर्नामेंट में टीम इवेंट की विजेता केरल

रायपुर। 47वीं ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी शटल बैडमिंटन टूर्नामेंट के टीम इवेंट में केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड विजेता रही। उपविजेता तमिलनाडु पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कार्पोरेशन लिमिटेड रही। टूर्नामेंट का आयोजन छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की सेंट्रल स्पोर्ट्स एंड कल्चरल कमेटी कर रही है, इसमें 10 राज्यों के 65 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। कमेटी के महासचिव व कार्यपालक निदेशक (वित्त) एमएस चौहान ने बताया कि दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह टीम इवेंट का फाइनल मैच केरल और तमिलनाडु के बीच खेला गया। टूर्नामेंट के नियमानुसार दोनों टीम के बीच सिंगल के तीन और डबल के दो मैच होने थे। जो टीम इन पांच मैच में अधिक बार जीतेगी, वही विजेता होगा।

एकतरफा प्रदर्शन से हासिल की जीत

केरल के खिलाड़ियों ने एकतरफा खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले दो सिंगल और एक डबल मैच में जीत दर्ज कर ली। केरल टीम के श्याम प्रसाद एम ने तमिलनाडु के ए

चंद्रशेखर को 21-4 और 21-6 से हराया। दूसरे मैच में केरल के अजय सतीश ने तमिलनाडु के वी सुंदरेश्वर को 21-10 और 21-8 से परास्त किया। तीसरे मैच में केरल के श्याम प्रसाद एम और विष्णु राजेंद्रन की जोड़ी ने तमिलनाडु के के श्रीधर व वी सुंदरेश्वर को 21-4, 21-13 से पराजित किया। इस तरह तीन मैच जीतकर केरल ने फाइनल का कप अपने नाम कर लिया। टीम इवेंट में उपविजेता तमिलनाडु की टीम रही। तीसरे स्थान पर कर्नाटक और चौथे स्थान पर आंध्रप्रदेश की टीम रही। ओपन सिंगल के मुकाबले में दिनभर कड़े मुकाबले हुए, जिसमें सभी खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया और बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। शनिवार 13 सितंबर को सुबह ओपन सिंगल का सेमीफाइनल मैच होगा, जिसमें केरल के अजय सतीश और तेलंगाना के बी कृष्णाकांत तथा छत्तीसगढ़ के अविनेश पाठक व केरल के श्याम प्रसाद एम के बीच मुकाबला होगा। इन दोनों मैच के दोपहर तीन बजे विजेता फाइनल मैच खेलेंगे। ओपन डबल के सेमीफाइनल मैच में तेलंगाना और आंध्रप्रदेश तथा केरल और तेलंगाना के बीच भिंडत होगी। इसमें तेलंगाना के बी हरीश, के प्रवीण, आंध्रप्रदेश के बी उदय भास्कर, के संतोष, केरल के श्याम प्रसाद एम, विष्णु राजेंद्रन, तेलंगाना के बी कृष्णाकांत, के दिनश रेड्डी के बीच रोचक मुकाबले होंगे। पूरे टुर्नामेंट में चीफ रेफरी प्रताप भट्टाचार्य व मैच कंट्रोरल गुरदीप सिंह हैं। साथ ही हेम पांडेय, घनश्याम सोनी, आदित्य भट्टाचार्य, अनुराग डे व श्रीराम यादव निर्णायक की भूमिका निभा रहे हैं।

आज फाइनल मुकाबले और समापन समारोह

47वीं ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी शटल बैडमिंटन टूर्नामेंट में 13 सितंबर शनिवार को ओपन सिंगल और ओपन डबल के सेमीफाइनल और फाइनल मैच के साथ शाम 4 बजे पुरस्कार वितरण समारोह मोवा स्थित आई स्पोर्ट्स कोर्ट में रखा गया है, जिसमें मुख्य अतिथि ऊर्जा सचिव व पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन व जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव होंगे।

वास्तु अनुसार घर के लिविंग एरिया में लगाएं पेंटिंग, घर में आएगी पॉजिटिविटी

लिविंग एरिया किसी भी घर में एक खास महत्व रखता है। घर के इस स्थान पर हम सभी अपनी फैमिली के साथ बैठकर एक अच्छा वक्त बिताते हैं। इतना ही नहीं, घर में आने वाला हर व्यक्ति लिविंग एरिया में ही बैठता है। ऐसे में जब यह स्थान खूबसूरत दिखता है तो आने वाले मेहमान के मन में भी पॉजिटिविटी आती है। अमूमन हम सभी अपने लिविंग एरिया को सजाने के लिए तरह-तरह शोपीस आदि का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इस एरिया को डेकोरेट करने के लिए पेंटिंग्स को दीवार पर लगाना काफी अच्छा माना जाता है। आप भी यकीनन लिविंग एरिया को पेंटिंग्स की मदद से सजा सकती हैं। हालांकि, अगर इस दौरान वास्तु के नियमों का ध्यान रखा जाए तो इससे घर में पॉजिटिविटी आती है। तो चलिए आज इस लेख में वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज आपको बता रहे हैं कि लिविंग एरिया में पेंटिंग लगाते समय आप किन बातों का ख्याल रखें-

जब आप अपने लिविंग एरिया को डेकोरेट कर रही हैं तो आप उसकी उत्तर दिशा में पानी के पोस्टर को लगा सकती हैं। इस दिशा में चलते हुए पानी, नदी, समुद्र या फिर तैरती हुई कश्ती आदि के पोस्टर व पेंटिंग्स आदि को लगा सकती हैं। इस तरह के पोस्टर लिविंग एरिया में पॉजिटिविटी लेकर आते हैं।

वहीं लिविंग एरिया की पूर्व दिशा में जंगल के पोस्टर लगाए जा सकते हैं। इस दिशा में हरे-भरे घास के मैदान या फिर रेनबो आदि के पोस्टर लगा सकते हैं। इस तरह के पोस्टर लगाने से आपका मन प्रफुल्लित होता है। अगर आप चाहें तो इस दिशा में धार्मिक चिन्ह जैसे ओम्‌ या स्वास्तिक आदि को लगा सकते हैं। लेकिन इस दौरान यह ध्यान रखें कि उस पोस्टर में भगवान की तस्वीर नहीं होनी चाहिए।

दुखों से रहना चाहते हैं दूर तो करें ये विशेष कार्य

गरुड़ पुराण विष्णु पुराण का ही भाग है। गरुड़ पुराण में विष्णु और पक्षियों के राजा गरुड़ के बीच संवाद है। इस पुराण का दूसरा खंड मृत्यु से जुड़े मुद्दों, विशेष रूप से अंतिम संस्कार संस्कार और पुनर्जन्म के तत्वमीमांसा से संबंधित है। जब घर पर किसी परिजन की मृत्यु होती है तो गरुड़ पुराण का पाठ कराया जाता है. मान्यता है कि इससे आत्मा को सद्गति मिलती है और वह सांसारिक जीवन का मोह त्याग मृत्यु लोक की ओर गमन करती है। गरुड़ पुराण में कई गूढ़ बातों का भी उल्लेख मिलता है। यदि आप इन बातों पर अमल करेंगे तो जीवन में आपको कभी किसी परेशानी का सामना भी नहीं करना पड़ेगा।

गरुड़ पुराण के अनुसार अपने भोजन के कुछ भाग को गरीब या जरुरतमन्द व्यक्ति में जरूर बांटें। यदि आप सामर्थ्यवान हैं तो गरीब और जरूरतमंद को भोजन बांटकर आप पुण्य की प्राप्ति कर सकते हैं। इसके साथ ही आप पर मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और परिवार में बरकत होती है।

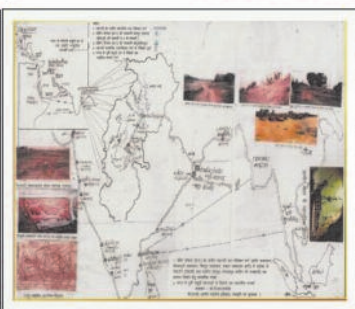

शोधग्रंथ- "छत्तीसगढ़ के प्राचीन किलों की स्थापत्य कला"

माननीय विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार छ.ग. शासन के उच्च शिक्षा संचालनालय के पत्र क्र. 1889 नया रायपुर दि. 4.8.2025 के अनुसार छत्तीसगढ़ के समस्त शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यो को महाविद्यालयीन ग्रंथालय हेतु उक्त शोधग्रंथ को उपयोगितानुसार क्रय किया जाने का आदेश जारी किया गया है। प्राप्ति स्थल–सेन्ट्रल बुक हाउस, पुस्तक प्रतिष्ठान सदर बाजार रायपुर आदि पुस्तक दुकानों में उपलब्ध है, पृष्ठ संख्या 420, मुल्य 700 रू.। महाविद्यालयों के ग्रंथालयों हेतु 25% छुट के लिए सम्पर्क करें – डॉ.टी.आर.रामटेके, संजय नगर, मुख्य मार्ग, रायपुर (छ.ग.), मो.8349362428।

शोधग्रंथ- "छत्तीसगढ़ के प्राचीन किलों की स्थापत्य कला"

शोधलेखक डॉ.टी.आर.रामटेके। (पीएच.डी. उपाधि हेतु इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ छ.ग. से स्वीकृत शोधप्रबंध)। जिसमें छत्तीसगढ़ के किले, पुरातात्विक स्मारकों की स्थापत्य कला तथा छत्तीसगढ़ के प्राचीन काल से कलचुरी काल (ई.1750) तक का राजनीतिक इतिहास को लगभग 150 रेखाचित्र एवं 450 रंगीन छायाचित्र के माध्यम से विश्लेषण किया गया है। जिसे राज्य के महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं को समझना आवश्यक है, जो सीजीपीएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उपयोगी है।

देश का प्रथम डिजिटली जीवंत संग्रहालय बनकर तैयार, राज्योत्सव पर पीएम करेंगे उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय लगभग बनकर तैयार हो गया है। देश का पहला डिजिटली संग्रहालय होगा, जहां छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के गौरव गाथा एवं योगदान की जीवंत झांकी देखने को मिलेगी। यह संग्रहालय आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, परिसर में तैयार हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्योत्सव के मौके पर छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान इस संग्रहालय के उद्घाटन के मद्देनजर प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने संग्रहालय की निर्माण की प्रगति की समीक्षा की और 30 सितम्बर तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा एवं रानी गाइडल्यू की मूर्ति लगाने और संग्रहालय के फर्श पर ट्राईबल कलाकारों की आर्ट्स को अंकित करने के साथ ही संग्रहालय की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी निगम के संचालक डॉ. जगदीश कुमार सोनकर, संचालक टीआरटीआई हीना अनिमेष नेताम सहित निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारी और निविदाकार उपस्थित थे।

सेल्फी प्वाइंट और दिव्यांग जनों के लिए भी विशेष इंतजाम : संग्रहालय में पर्यटकों एवं आगंतुकों के लिए आदिवासी विद्रोहों से संबंधित कॉफी टेबल बुक भी उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा संग्रहालय में आगंतुकों के लिए भी सेल्फी प्वाइंट भी बनाया जा रहा है। यहां आने वाले सीनियर सिटीजन और दिव्यांग जनों के लिए भी विशेष सुविधाओं का भी इंतजाम किया जा रहा है।

डिजिटल स्क्रीन पर मिलेगी जनजातीय विद्रोहों की झलक

शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए विभिन्न आदिवासी विद्रोहों जैसे हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष (1923, 1920) एवं शौर्य के दृश्य का जीवंत प्रदर्शन होगा।

डिजिटल स्क्रीन, मोबाइल पर भी दिखेगा

शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित यह संग्रहालय पूरी तरह से डिजिटली रूप से तैयार किया जा रहा है। आगंतुक डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से आदिवासी विद्रोहों की जानकारी ले सकेंगे। इसके अलावा मोबाइल फोन के जरिए भी क्यू आर कोड स्कैन के जरिए देखी जा सकेगी। स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषाओं में उपलब्ध रहेगी।

राज्य में सेंट्रल इंडिया पूल के एकमात्र शुद्ध जीन का छोटू नामक वनभैंसा उम्र के अंतिम पड़ाव पर

असम का वाइल्ड बफेलो अब बनेगा छग राजकीय पशु, दो शावकों को दिया जन्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ का राजकीय पशु वनभैंसा है। वनभैंसा के संरक्षण, संवर्धन के लिए वन विभाग अब तक करोड़ों रुपए खर्च कर चुका है, बावजूद इसके राज्य में राजकीय पशु की संख्या बढ़ाने में कामयाब नहीं हो पाया। इसके बाद असम से एक नर सहित छह वाइल्ड बफेलो लाए गए।

खास खबर

- क्रास ब्रिडिंग कर राजकीय पशु की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से लाए थे असम से आधा दर्जन वनभैंसा

असम से लाए गए वन्यजीवों ने दो वर्षों में चार शावकों को जन्म दिया है। इस तरह से इनकी संख्या 10 हो गई है। असम से लाए गए वनभैंसों ने जिन शावकों को जन्म दिया है। उनमें सेंट्रल इंडिया के वाइल्ड बफेलो का जीन नहीं है। इस लिहाज से असम से आयतित वाइल्ड बफेलो की पहचान छत्तीसगढ़ के राजकीय पशु के रूप में होगी।

विभागीय अफसरों से जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक नौ सितंबर को बारनवापारा ब्रिडिंग सेंटर में एक मादा वनभैंसा ने दो शावकों को जन्म दिया है, लेकिन विभागीय अधिकारियों ने गोपनीयता बरतते हुए उन दोनों शावकों की जानकारी के साथ फोटो अब तक सार्वजनिक नहीं की है। इसके पूर्व पिछले वर्ष बारनवापारा ब्रिडिंग सेंटर में दो शावकों का जन्म हुआ था। इनमें एक नर तथा एक मादा था। इस तरह से बारनवापारा में असम से लाए गए छह वनभैंसों की संख्या बढ़कर 10 हो गई।

राज्य के वनभैंसों से ब्रिडिंग कराने के उद्देश्य से लाए थे : असम के वनभैंसो का जीन सेंट्रल इंडिया के वनभैंसों से मिलता जुलता है। इसीलिए असम से मादा वनभैंसा लाकर उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में बने बाड़ा में रह रहे नर वनभैंसों से ब्रिडिंग कराकर राजकीय पशु की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। वन विभाग के अफसरों ने जिन नर वनभैंसों से असम के मादा वनभैंसों का ब्रिडिंग कराने विचार किया था, डीएनए जांच में वे सारे के सारे मुर्रा वनभैंसा निकल गए।

छोटू से ब्रिडिंग संभव नहीं : प्योर ब्रिड का एकमात्र वनभैंसा छोटू बचा है, जिसकी उम्र 25 वर्ष के करीब हो गई है। उम्र के अंतिम पड़ाव तक पहुंचने पर मोतियाबिंद के कारण छोटू दोनों आंखों से अंधा हो चुका है। ऐसे में असम से लाए गए मादा वनभैंसों का छोटू से ब्रिडिंग कराना संभव नहीं है। इस लिहाज से असम से लाए गए वनभैंसों के सहारे राज्य में राजकीय पशु की संख्या बढ़ाई जाएगी।

पांच साल से कैद में रह रहे वनभैंसा

असम से लाए गए वनभैंसों को कुछ समय बाड़ा में रखने के बाद जंगल में खुले में छोड़ने की शर्त पर असम से लाया गया था। असम से सबसे पहले वर्ष 2019-20 में एक नर तथा एक मादा वनभैंसा लाया गया। इसके बाद वर्ष 2023 में चार मादा वनभैंसा लाए गए। वनभैंसों का जब लाया गया, तब सभी एडल्ट थे। असम से लाने के बाद सभी वनभैंसे बाड़ा में ही रह रहे हैं।

पांच साल में 25 वनभैंसा लाने पर विचार

विभागीय अफसरों की छह अगस्त को बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में राजकीय पशु की संख्या पांच साल में 25 करने असम से और वनभैंसा लाने पर विचार किया गया। इसके अलावा महाराष्ट्र, गढ़चिरौली स्थित कोलामार्का कंजर्वेशन से विचरण करने आने वाले वनभैंसों को रेस्क्यू कर असम से लाए गए मादा वाइल्ड बफेलो से ब्रिडिंग कराने को लेकर चर्चा की गई। गढ़चिरौली के वनभैंसों को वन विभाग के अफसर छत्तीसगढ़ के होने का दावा करते हैं।

बाड़ा से लेकर ब्रिडिंग सेंटर तक को मान्यता नहीं

सीजेडए के नियमों के मुताबिक अभयारण्य क्षेत्र में वन्यजीवों के लिए बाड़ा बनाने अनुमति नहीं है। इसके अलावा ब्रिडिंग सेंटर के लिए सीजेडए से मान्यता लेना जरूरी है। बारनवापारा में वनभैंसों के लिए बनाए गए 25 एकड़ में फैले ब्रिडिंग सेंटर को सीजेडए से अब तक मान्यता नहीं मिली है।

हड़ताल से बढ़ी टीबी संक्रमितों की परेशानी केंद्रों में दवा उपलब्ध, बांटने वाला कोई नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल अब आम आदमी की परेशानी का कारण बनती जा रही है। छोटे स्वास्थ्य केंद्रों में जहां ताले लगे हुए हैं, वहीं क्षय नियंत्रण केंद्रों में छुट्टी जैसा माहौल बना हुआ है। वहां कर्मचारी नहीं होने की वजह से टीबी नियंत्रण की दवा का वितरण नहीं हो पा रहा है। इसकी रोकथाम के लिए मरीजों को नियमित दवा का सेवन करना पड़ता है।

हड़ताल की लंबी अवधि के कारण इसके संक्रमितों को चिंता सताने लगी है। क्षय नियंत्रण केंद्र में कर्मचारियों के नहीं होने की वजह से मायूस मरीज भी नहीं आ रहे हैं। एनएचएम कर्मियों की हड़ताल पांच दिन बाद महीनेभर की हो जाएगी। उधर टीबी संक्रमितों द्वारा रखा गया जरूरी दवाओं का स्टॉक खत्म होने लगा है, जिसकी वजह से उन्हें अपने ट्रीटमेंट कोर्स के पूर्ण नहीं होने की चिंता सता रही है। राज्य के जिला क्षय नियंत्रण केंद्रों में दवा देने वाला कोई नहीं है। स्वास्थ्य केंद्रों में तो उपचार व्यवस्था वैसी ही पूरी तरह ठप हो चुकी है। संक्रमितों का ध्यान रखते हुए विभागीय स्तर पर तमाम स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी से संबंधित दवाई तो भेजी जा चुकी है, मगर उसे मरीजों को वितरित करने के लिए वहां कोई नहीं है। रायपुर जिला क्षय नियंत्रण केंद्र कालीबाड़ी में सामान्य दिनों में मरीजों की गहमागहमी होती है। यहां रोजाना सौ से अधिक मरीज पहुंचते हैं। कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से उन्होंने भी आना बंद कर दिया है, जिससे परिसर में सन्नाटा है। इधर स्वास्थ्य केंद्रों में आम लोगों की बीपी-शुगर जैसी जांच भी बंद हो चुकी है। मरीजों को निजी क्लीनिक में जाकर इसके लिए पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं।

- सामान्य दिनों में भी क्षय नियंत्रण केंद्र में छुट्टी जैसा माहौल, मरीज भी नहीं आ रहे
- टीबी मुक्त होने नियमित दवा का सेवन जरूरी, पंजीकृत मरीजों को सता रही चिंता

लिखित आदेश तक हड़ताल जारी, जिला अध्यक्षों की बैठक में फैसला

हड़तालीं एनएचएम के कर्मचारियों ने मांग पूरी किए जाने के लिखित आदेश तक हड़ताल जारी रखने का फैसला लिया है। शुक्रवार को राजधानी कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्षों की बैठक हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि नियमितीकरण, ग्रेड पे सहित 10 सूत्रीय मांगों पर सरकार द्वारा लिखित आदेश जारी होने तक आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि वह 18 अगस्त से जिला मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते 20 वर्षों से बिना सामाजिक सुरक्षा, नौकरी की सुरक्षा और न्यूनतम वेतनमान के कार्य करने के बावजूद सरकार कर्मचारियों की मांगों पर संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी एवं प्रदेश प्रवक्ता पूरन दास महासचिव कौशलेश तिवारी ने कहा कि आंदोलन 20 वर्षो से एनएचएम कर्मचारियों के लंबित एवं मूलभूत मांगों के लिए है, जिन्हें सरकार को तत्काल पूरा करना चाहिए।

मंत्री गजेंद्र बोले - पापुनि में पुस्तकों की छपाई से लेकर परिवहन तक एक ही टेंडर से हो

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्यमंत्री गजेन्द्र यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में शिक्षा विभाग की बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्कूल शिक्षा के विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। बैठक में मंत्री श्री यादव ने कहा कि पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा पुस्तको की छपाई से लेकर परिवहन तक एक ही टेंडर से करने के निर्देश दिए, ताकि समय और राशि की बचत हो। बैठक में सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, संचालक लोक शिक्षण ऋतुराज रघुवंशी, एमडी समग्र शिक्षा संजीव कुमार झा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

5 हजार शिक्षकों की भर्ती नए सत्र से पहले : बैठक में सर्वप्रथम शिक्षकों की कमी को दूर करने के मुद्दे पर चर्चा हुई। मंत्री श्री यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी शैक्षणिक सत्र से पहले 5000 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति को ऑनलाइन एवं परिसर स्तर पर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही तय हो सके। राजपत्रित अधिकारियों की भर्ती पीएससी से बैठक में मंत्री ने कहा कि राजपत्रित अधिकारियों की भर्ती लोक सेवा आयोग (पीएससी) के माध्यम से की जाएगी। पाठ्यपुस्तक वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री यादव ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाए कि अभी कितने स्थानों पर पुस्तक वितरण शेष है और कितनी अतिरिक्त मांग बची हुई है। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों में स्पष्टता होनी चाहिए और हर कार्य उसकी जिम्मेदार संस्था के माध्यम से ही किया जाए।

भवन विहीन स्कूलों पर हुई बात

बैठक में भवनविहीन स्कूलों की स्थिति की जानकारी, उन्हें फुल फर्निश्ड स्कूलों के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक व्यय तथा तदर्थ स्कूलों की राशि पर भी विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री श्री यादव ने कहा कि बजट का पूरा उपयोग सुनिश्चित किया जाए और राशि लैप्स न हो, इसके लिए अभी से कार्ययोजना तैयार की जाए। बड़े शहरों में जहाँ शासकीय भवन उपलब्ध हैं, वहाँ नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थाओं के सहयोग से कक्षाएं शुरू करने पर भी विचार किया गया। शाला त्यागी बच्चों को पुनः विद्यालयों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

परीक्षा के बाद शिक्षकों को ट्रेनिंग

मंत्री श्री यादव ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव के समय ही छात्र-छात्राओं को वितरण की जाने वाली सामग्रियों की अग्रिम कार्ययोजना बनाकर समय पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। स्कूलों की परीक्षा समाप्त होने के पश्चात शिक्षकों का जिला एवं ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण प्रारंभ कराया जाएगा।

टीटीई भी बना रहे टिकट

कल सभी अनारक्षित टिकट काउंटर आरक्षण केंद्र में होंगे शिफ्ट, हर घंटे मॉनिटरिंग

रायपुर। अनारक्षित टिकट काउंटरों की रेलवे आरक्षण केंद्र में शिफ्टिंग प्रक्रिया के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वाणिज्य विभाग ने शुक्रवार को मुस्तैदी से निगरानी की। वाणिज्य विभाग के अधिकारी, वाणिज्य निरीक्षक एवं सुपरवाइजर लगातार भीड़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। शुक्रवार को एक काउंटर को शिफ्ट किया जा चुका है। इसके एवज में यात्रियों की सुविधा के लिए 3 अतिरिक्त ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन फैसिलिटेटर व 4 मोबाइल टिकट सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यानी कुल 7 अतिरिक्त कर्मियों को टिकट उपलब्ध कराने के लिए लगाया गया है। योजना के अनुसार अगले 24 घंटे में एक और एटीवीएम शिफ्ट किया जाएगा। इसके बाद 48 घंटे के भीतर दूसरा एटीवीएम स्थानांतरित किया जाएगा। अगले 48 से 72 घंटे में सभी अनारक्षित टिकट काउंटरों को पूरी तरह रेलवे आरक्षण केंद्र में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

- यात्रियों को असुविधा न हो इसलिए वाणिज्य विभाग कर रहा लगातार निगरानी

दिनभर तैनात रहे वाणिज्य निरीक्षक और सुपरवाइजर

इस पूरी प्रक्रिया पर वाणिज्य विभाग के कंट्रोलरूम से हर घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है। यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए दिन व रात में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक और सुपरवाइजर ड्यूटी पर तैनात हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि वह स्वयं हालात का जायजा ले रहे हैं। वे प्रतिघंटा अपने अधीनस्थ अधिकारियों से चर्चा कर स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

मेडिकल कालेज डीन, सुप्रिंटेंडेंट होंगे और पॉवरफुल, खरीदी का अधिकार 10 से बढ़ाकर 20 लाख करने की तैयारी

रायपुर। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता और अधीक्षक का वित्तीय अधिकार बढ़ाया जा सकता है। 10 महीने पहले उन्हें स्वशासी समिति के माध्यम से 10 लाख तक की खरीदी का अधिकार दिया गया था, जिसे बढ़ाकर 20 लाख किये जाने की तैयारी है। शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में हुई समीक्षा बैठक में इसके साथ अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान सभी कालेजों को एनएमसी का मापदंड पूरा करने पर जोर दिया गया।

- स्वास्थ्य मंत्री की मौजूदगी में समीक्षा बैठक, एनएमसी का मापदंड पूरा करने पर जोर

मंत्रालय में आयोजित बैठक में स्वशासी समिति एवं प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा स्वीकृत कार्यों की समीक्षा की गई। अति आवश्यक उपकरणों और दवाइयों की खरीदी के लिए डीन और सुपरिटेंडेंट का अधिकार बढ़ाने पर विचार मंथन किया गया। बैठक में राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद के मापदंडों का गैप एनालिसिस भी प्रस्तुत किया गया। इस दौरान नर्सिंग स्टाफ और पैरा मेडिकल पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पर विचार किया गया। उपकरणों एवं दवाओं के अत्यधिक लंबित क्रय को कॉलेज स्तर पर पूरा करने के लिए सीजीएमएससी से एनओसी दिए जाने पर भी बातचीत की गई। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत नवीन परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें नए मेडिकल कॉलेज, फिजियोथेरेपी कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज शामिल हैं। समीक्षा बैठक में छात्रावास भवन, कॉलेज भवन, आंतरिक सड़क, पेयजल व्यवस्था और विद्युतीकरण की दिशा में कार्य करने का निर्णय लिया गया।

विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

सीएम के प्रमुख सचिव ने की नक्सल प्रभावित जिलों में विकास कार्यों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह ने शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में राज्य के नक्सल प्रभावित जिलों में विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में बस्तर, सुकमा, दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा, उत्तर बस्तर कांकेर, नारायणपुर, कोंडागांव, बीजापुर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और गरियाबंद जिलों में हितग्राही मूलक कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह ने नक्सल प्रभावित जिलों में मनरेगा, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, जनधन खाता, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आधार कार्ड सहित अन्य हितग्राही मूलक कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की।

- गांव-गांव तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करें

महतारी वंदन, बचे हितग्राहियों का सर्वे जल्द करें

उन्होंने निर्देश दिया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत शेष हितग्राहियों का शीघ्र सर्वे कर उन्हें लाभान्वित किया जाए। आत्मसमर्पित नक्सलियों को कौशल विकास योजना के तहत क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाए। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की भवन-विहीन शालाओं के भवन शीघ्र निर्मित किए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय एक ही परिसर में हों।

मनरेगा जॉब कार्ड उपलब्ध कराएं

बैठक में प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि क्षेत्र के सभी पात्र मनरेगा हितग्राहियों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु उनका जॉब कार्ड अवश्य प्रदान किया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए तथा सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराए जाएं।

शामिल हुए ये अधिकारी

वीडियो कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, वित्त विभाग के सचिव मुकेश बंसल, शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, उच्च शिक्षा, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव डॉ. रवि मित्तल, आयुक्त बस्तर संभाग तथा पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सहित बस्तर, सुकमा, दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा, उत्तर बस्तर कांकेर, नारायणपुर, कोंडागांव, बीजापुर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और गरियाबंद जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक शामिल थे।

नक्सल प्रभावित जिलों में हुए ये काम

बैठक में बताया गया कि एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों में लगभग 99 प्रतिशत से अधिक लोगों का आधार पंजीकरण पूरा कर लिया गया है। इसी प्रकार लगभग 28 लाख 18 हजार 616 किसानों का प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत पंजीकरण कर उन्हें योजना का लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत 26 लाख 21 हजार 491 हितग्राहियों के बैंक खाते खोले गए हैं। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 35 लाख 66 हजार 409 हितग्राहियों को गंभीर बीमारियों के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ग्रामीण इलाकों में मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मोबाइल टावर स्थापित किए जा रहे हैं। क्षेत्र में लोगों को अधिक से अधिक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न बैंकों और डाकघरों की शाखाएं खोली जा रही हैं। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सभी पात्र हितग्राहियों को नियमित रूप से खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए राशन कार्ड बनाए गए हैं।